आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 22 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 202
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

पांच दिन से सूखे नल, 200 परिवार पानी को तरसे

पेज-2

वैभव ने श्रीलंका-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक

पेज-5

भेरूघाट पर चलती कार में लगी आग

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे
- राम मंदिर दान चोरी मामला, SIT जांच में लापरवाही के सबूत मिले
- दाखिल-खारिज व्यवस्था में सुधार, बिहार सरकार ने लागू किए नए प्रावधान
- भोजपुर एनकाउंटर मामले में SHO समेत 4 पुलिसकर्मी निलंबित
- PMKVY में कथित गड़बड़ियों पर NSDC का एक्शन, 20 कर्मचारियों को नोटिस
- मुंबई-वडोदरा हाईवे पर BMW कार हादसे का शिकार, दो की मौत
- सर्वे में ट्रंप को झटका, ईरान मुद्दे पर अधिकांश अमेरिकियों ने जताई नाराजगी
- कच्चे तेल की कीमतों में 3% उछाल, ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर के करीब पहुंचा
- ब्रिटेन में बड़े राजनीतिक उलटफेर के संकेत: पीएम की कुर्सी छोड़ सकते हैं कीर स्टार्मर
- चीनी विदेश मंत्री वांग यी आज भारत दौरे पर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में होंगे शामिल

12 लाख रुपए से घटकर 1 लाख पर आया चढ़ावा

■ चढ़ावा चोरी मामले का श्रद्धालुओं के चढ़ावे पर गहरा असर पड़ा है। दानपेटियों की गिनती में लगे एक कर्मचारी ने बताया- पहले सामान्य दिनों में 8 से 12 लाख रुपए तक दानपेटियों से निकलते थे। अब पिछले 5 दिनों से 1 लाख रुपए से कम निकल रहे हैं।

■ कर्मचारी के मुताबिक- 15 से 19 जून के बीच रोजाना 85 हजार से 95 हजार रुपए का चढ़ावा ही दानपेटियों से निकला। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या में कोई असर नहीं पड़ा है। 7 जून को विवाद की शुरुआत हुई थी। उस दिन 1.21 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इसके बाद भी रोजाना करीब इतने ही श्रद्धालु आ रहे हैं।

अयोध्या (एजेंसी) राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद का श्रद्धालुओं पर गहरा असर पड़ा है। यही वजह है कि पहले दानपेटियों से रोजाना 8 से 12 लाख रुपए तक चढ़ावा निकलता था। वो अब घटकर 1 लाख रुपए के नीचे आ गया है। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या में कमी नहीं आई है।

श्रद्धालुओं का कहना है- दान चोरी से सभी को दुख हुआ है। अब सोचते हैं कि ऑनलाइन दान किया जाए। वहीं, SIT की जांच के बाद चढ़ावे की गिनती से लेकर बैंक में जमा करने तक की व्यवस्था दुरुस्त की गई है। निगरानी बढ़ा दी गई है।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर गड़बड़ी के आरोप लगे हों। इससे पहले 10 गुने महंगे दाम पर जमीन खरीदने और चंदे की रकम के गलत इस्तेमाल के आरोप लग चुके हैं। आज संडे बिग स्टोरी में इन सभी मामलों पर बात करेंगे...

चढ़ावा चोरी मामले से लोगों पर हुआ असर जानने के लिए हमने राम मंदिर दर्शन करने आए कुछ श्रद्धालुओं से बात की। शैलेंद्र अवस्थी कहते हैं- राम मंदिर को लेकर आस्था में असर नहीं पड़ेगा। जिनकी भगवान राम में आस्था है, वो दुनिया के किसी भी कोने से यहां दर्शन करने आएंगे। लेकिन, चढ़ावा चोरी से सभी को दुख हुआ है। हम लोग अब सोचते हैं कि ऑनलाइन दान किया जाए।

नाराजगी सिर्फ आम पब्लिक ही नहीं, संतों में भी है। हनुमानगढ़ी के महंत महेश योगी कहते हैं- जो कुछ हुआ, उसने रामभक्तों को आघात पहुंचा है। उनके मन में शंका है कि जो दान या बहुमूल्य चीज दे रहे हैं, क्या वो भगवान की सेवा में लग रही हैं? हम तो यही चाहते हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच हो। दोषियों को सजा दी जाए। जो दान आ रहा है उसका सही इस्तेमाल हो।

■ 5 फरवरी, 2020 को मंदिर ट्रस्ट बनने के बाद चंदा इकट्ठा करने का काम शुरू हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी-2021 तक ट्रस्ट को कुल 1511 करोड़ रुपए का चंदा मिला था। वहीं, राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा (22 जनवरी, 2024) तक सभी स्रोतों (ऑनलाइन, दानपेटी, हर घर समर्पण निधि कार्यक्रम) से करीब 3500 करोड़ रुपए का चंदा आ चुका था।

■ ट्रस्ट की बैठक में 22 अगस्त, 2024 को बताया गया कि भूमिपूजन (5 अगस्त, 2020) के बाद से 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना मिला है। मंदिर निर्माण में खर्च के बाद खाते में 2600 करोड़ रुपए बचे थे।

■ आंकड़ों के मुताबिक जनवरी, 2024 से मार्च, 2025 तक कुल 153 करोड़ रुपए दान में आए। इन दौरान हर महीने करीब 10.93 करोड़ रुपए यानी रोजाना करीब 36.43 लाख रुपए चढ़ावा आया। वहीं, ट्रस्ट के खाते में जमा रकम पर 173 करोड़ रुपए ब्याज मिला।

■ 21 मार्च, 2026 को ट्रस्ट की बैठक में अप्रैल, 2025 से 28 फरवरी, 2026 तक का लेखा-जोखा पेश किया गया। इन 11 महीनों में सिर्फ 82 करोड़ रुपए का दान मिला। हर महीने करीब 7.45 करोड़ और रोजाना करीब 24 लाख रुपए चढ़ावा आया।

■ बैंकों (SBI, PNB और बैंक ऑफ बड़ौदा) में जमा रकम पर 138 करोड़ रुपए ब्याज मिला था, यानी कुल 221 करोड़ रुपए की कमाई हुई। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी मामले में जो लोग पकड़े गए हैं, वे सभी इसी दौरान भर्ती किए गए थे।

100 रुपए एकत्र करने का अभियान और ब्लॉको में लगने वाले शिविरों की योजना हुई टॉँय-टॉँय फिस्स

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल संगठन को मजबूत करने के लिए मप्र कांग्रेस ने अप्रैल में दो बड़े निर्णय लिए थे। पार्टी ने 25 मई से प्रत्येक ब्लॉक में जन संवाद सम्मेलन आयोजित करने और जून से घर-घर चलो अभियान शुरू करने की रूपरेखा तैयार की थी। जून का दूसरा पखवाड़ा चल रहा है और अब तक न घर-घर चलो अभियान का पता है और न ही जन संवाद सम्मेलन का। ऐसे ही कांग्रेस अब तक प्रवक्ताओं की सूची भी जारी नहीं कर पाई है। प्रतिभागियों के फायनल इंटरव्यू मई में लिए जा चुके हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि जून में राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के मामले में पार्टी उलझी रही, इस कारण पार्टी की सभी गतिविधियां ठप हो गईं। मप्र कांग्रेस कमेटी ने अप्रैल में घर-घर चलो अभियान की रूपरेखा बनाई थी।

ब्लॉकों में 25 मई से शुरू होना थे जन संवाद सम्मेलन

मप्र कांग्रेस ने अप्रैल में ब्लॉक स्तर पर जन संवाद सम्मेलन आयोजित करने की योजना भी बनाई थी। ये सम्मेलन 25 मई से शुरू होकर 25 जून तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। एक महीने में एक हजार से अधिक ब्लॉकों में जन संवाद सम्मेलन आयोजित किए जाने का लक्ष्य रखा गया था। इन सम्मेलनों की पूरी जिम्मेदारी ब्लॉक अध्यक्षों को सौंपी गई थी। मई में भीषण गर्मी के चलते जन संवाद सम्मेलन जून में आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। जून में मीनाक्षी नटराजन एपिसोड के चलते पार्टी की सभी गतिविधियां ठप हो गई।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने मई में मप्र कांग्रेस को अभियान शुरू करने के लिए अप्रूवल दे दिया था। इस अभियान में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर प्रत्येक परिवार से 100 रुपए की सहयोग निधि एकत्रित करेंगे। पार्टी ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 30 हजार परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पार्टी ने तय किया है कि अभियान के दौरान एकत्रित होने वाली राशि का उपयोग जिला और ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किया जाएगा। पार्टी ने तय किया है कि अभियान के दौरान कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों की समस्याओं और सुझावों को भी दर्ज करेंगे, ताकि उन्हें भविष्य की रणनीति में शामिल किया जा सके। पार्टी नेताओं का मानना है कि इस अभियान से पार्टी और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा और संगठन की पकड़ मजबूत होगी।

खतरे की चेतावनी बेअसर...

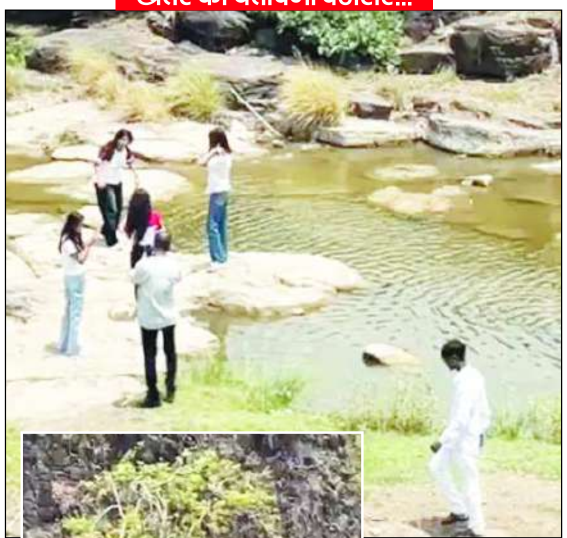

महू। पातालपानी में पर्यटकों की लापरवाही का मामला रविवार को सामने आया है। अवकाश के चलते यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, लेकिन इस दौरान कई पर्यटक सुरक्षा घेरों को पार कर खतरनाक स्थानों तक पहुंच गए। पर्यटक झरने के बेहद करीब जाकर तस्वीरें और सेल्फी लेते नजर आए।

इंदौर में जून में अब तक सिर्फ 2 इंच बारिश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर शहर में दो दिनों से मौसम पूरी तरह साफ है और उमस बनी हुई है। इस बार 21 जून तक सीजन व माह की 2 इंच ही बारिश हुई है। आज भी धूप खिली है और फिलहाल बारिश के आसार नहीं है। ऐसे में अब बचे दिनों में मानसून के रुख पर मौसम का रुख निर्भर है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 25 जून के बाद प्रदेश में मानसून की एंट्री होगी। इस बीच इंदौर और आसपास कहीं-कहीं रिमझिम व हल्की बारिश हो सकती है। अगले चार दिनों जबलपुर, रीवा और सागर संभाग के जिलों में तक हीटवेव का अलर्ट है लेकिन इंदौर में गर्मी व उमस का दौर रहेगा। इंदौर में पिछले 24 घंटों में दिन के तापमान में 2 डिग्री का उछाल आया है। शनिवार को दिन का तापमान 35.2 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद रविवार को 37.1 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान शनिवार को 24.6 (+1) डिग्री सेल्सियस था जो रविवार को एक डिग्री बढ़कर 25.6 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद उमस कुछ ज्यादा है। इस बार इंदौर में जून में 55.5 मिमी (2 इंच से ज्यादा) बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में मानसून की सामान्यत: 15 जून के आसपास एंट्री हो जाती है, लेकिन इस बार 22 जून तक मानसून का अता-पता नहीं है।

एनडीए में शामिल होने जा रही है डीएमके ?

चेन्नई/नई दिल्ली (एजेंसी) तमिलनाडु की सियासत से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। राज्य के राजनीतिक गलियारों में एक ऐसा बड़ा उलटफेर हुआ है, जिसने दिल्ली तक हलचल तेज कर दी है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) की सालों पुरानी और सबसे भरोसेमंद सहयोगी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने आधिकारिक तौर पर डीएमके के नेतृत्व वाले 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' से अलग होने का फैसला कर लिया है। इस बड़े घटनाक्रम के बाद अब राजनीतिक गलियारों में यह कयास तेज हो गए हैं कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का मजबूत स्तंभ रही डीएमके के लिए अब बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

सुविधाओं का ढोल ग्रामीण क्षेत्रों के 12 स्कूलों को मॉडल स्कूल में विलय किया, लेकिन छात्रों को लाने की व्यवस्था नहीं

देपालपुर के सांदीपनि मॉडल स्कूल में बसें न होने से अभिभावक परेशान

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर दैनिक इंदौर संकेत

मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत हर गरीब बच्चे को उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से प्रदेशभर में सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक मॉडल विद्यालयों की शुरुआत की जा रही है। इसी कड़ी में देपालपुर में भी अत्याधुनिक सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि मॉडल स्कूल का नया भवन बनकर तैयार हो चुका है। इस नई बिल्डिंग को जल्द ही हैंडओवर कर लिया जाएगा, जिसकी पूरी प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है और इसी सत्र से इसमें विधिवत पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी।

शासन के निर्देशानुसार क्षेत्र के देपालपुर, तामलपुर, बिरगोदा, खजराया, गिरोड़ा, तकिपुरा, अहिरवास,किरखेड़ा, बड़ोली सहित करीब 12 शासकीय स्कूलों को इस नए मॉडल स्कूल में विलय किया गया है। पहले जहां पुरानी बिल्डिंग में कक्षा 8वीं से 12वीं तक के करीब 800 छात्र पढ़ते थे, वहीं अब नई

बिल्डिंग में कक्षा 1ली से 12वीं तक के लगभग 1600 बच्चों के पढ़ने की व्यवस्था की गई है। सरकार की इस योजना से बच्चों को बेहतर शिक्षा की उम्मीद तो जगी है, लेकिन वर्तमान में परिवहन व्यवस्था न होना अभिभावकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है।

मजदूरी छोड़ 10 से 12 किमी दूर बच्चों को छोड़ने आ रहे परिजन-स्कूल में परिवहन (बस) सुविधा शुरू नहीं होने के कारण अभिभावकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परिजनों का कहना है कि उन्हें रोजाना 10 से 12 किलोमीटर दूर से बच्चों को स्कूल छोड़ने और लेने आना पड़ता है हमें प्रवेश के समय आश्वासन दिया गया था कि बच्चों को लाने-ले जाने के लिए स्कूल बस की सुविधा मिलेगी। विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे मजदूर परिवारों से हैं। अब सुबह और शाम बच्चों को लाने-ले जाने के चक्कर में माता-पिता की रोजाना की मजदूरी छूट रही है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जब इस संबंध में स्कूल प्रबंधन से बात की गई, तो बताया गया कि बसों को अनुबंधित (अटैच) करने के लिए अभी टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। शासन स्तर पर इसकी कागजी कार्रवाई चल रही है। जब तक टेंडर नहीं हो जाते, तब तक अभिभावकों को स्वयं ही बच्चों को स्कूल लाना और ले जाना पड़ेगा।ऐसे में पालको ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा की टेंडर प्रक्रिया तो लम्बी चलती है जिसमे एक महीना या इससे अधिक भी लग सकता है ऐसे में हम कब तक अपनी मजदूरी छोड़ कर रोजाना बच्चो को स्कुल से लाना लेजाना करते रहेंगे इससे अच्छा तो हमारे लिए गांव में जो स्कुल संचालित हो रहे थे वही अच्छे थे जिसमे बच्चे खुद से आना जाना तो कर लेते थे।

इनका कहना है...

पहले स्कूल में 800 बच्चे थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1600 हो गई है। हमारे पास पहले केवल 5 बसें थीं, जो इस छात्र संख्या के लिए बिल्कुल पर्याप्त नहीं हैं। इस गंभीर समस्या से मैंने जिला कलेक्टर महोदय को अवगत करा दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि परिवहन सुविधा के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हमने विद्यालय के लिए 15 से 17 बसों की मांग (डिमांड) भेजी है।'

- अमिता मूंदड़ा, प्रभारी प्राचार्य
सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक मॉडल विद्यालय, देपालपुर

यूसीसी पर भोपाल में बैठक आज

मानसून सत्र में विधेयक पेश करने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में सोमवार का दिन अहम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति भोपाल में राजनीतिक दलों, धर्मगुरुओं, विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद यूसीसी विधेयक का अंतिम मसौदा तैयार कर सरकार को सौंप दिया जाएगा।

भोपाल स्थित नरोन्हा प्रशासन अकादमी में सुबह से शाम तक बैठकों का दौर चलेगा। इसमें महिला आयोग, बाल आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, अल्पसंख्यक आयोग समेत विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि अपने सुझाव देंगे। दोपहर में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और शाम

को धर्मगुरुओं के साथ विचार-विमर्श प्रस्तावित है। समिति ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया है। गृह विभाग कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक पहलुओं पर प्रस्तुतीकरण देगा, जबकि अन्य विभाग अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े सुझाव समिति के समक्ष रखेंगे। जानकारी के अनुसार समिति को ऑनलाइन, जनसुनवाई और अन्य माध्यमों से करीब दो से ढाई लाख सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद यूसीसी का अंतिम प्रारूप तैयार किया जा रहा है।

देपालपुर में प्राइवेट स्कूल खुले सड़कों पर आज से दौड़ेगी खटारा बसें

ना परमिट, ना जीपीएस सिस्टम, ना बसों में कैमरे

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

नगर और ग्रामीण इलाकों में आज से कहीं प्राइवेट स्कूल खुले हैं। स्कूलों की तैयारी संचालक 15 दिनों से कर रहे हैं, लेकिन जानकारी में आया है कि क्षेत्र में कहीं स्कूल ऐसे हैं। जिनके पास खटारा बसे हैं। परिवहन विभाग के नियम विरुद्ध कहीं स्कूलों में बसें खड़ी है जिसका संचालन आज से होना है। बसों में ना जीपीएस सिस्टम है, ना कैमरे लगे हैं, इतना ही नहीं सीट से ज्यादा बच्चों की संख्या बसों में बैठाई जाती है। यह पालकों के लिए एक गंभीर विषय है। देखने में आया है -कि कहीं स्कूल बसों में कंडक्टर की व्यवस्था नहीं है, ड्राइवर गाड़ी चलाने के साथ-साथ बच्चों को बैठने और उतारने का काम भी स्वयं करता है। कहीं स्कूलों में निजी वाहनों से भी बच्चों को स्कूलों में लाया जाता है। सरकार ने निजी वाहनों पर रोक लगा रखी है लेकिन जिम्मेदार फिर भी इस बात से अनजान है। परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र से गायब है साल में दो-तीन बार केवल दिखावा करने आते हैं। गत वर्ष परिवहन विभाग ने देपालपुर में कहीं अनफिट गाड़ियों पर करवाई की थी, लेकिन एक रसूखदार स्कूल संचालक ने पूरे मामले में अधिकारियों से सेटिंग बिठाकर मामले को रफा दफा कर दिया था सूत्र बताते हैं कि परिवहन विभाग में भी सेटिंग और लिफाफे ताकत कार्यवाही नहीं करने देती नेताओं का खुला संरक्षण स्कूल संचालको पर बना है। परिवहन विभाग कार्रवाई कर भी दे तो नेताओं के फोन घन घनाने लगते हैं लेकिन यहां बच्चों के भविष्य का सवाल है उनकी जान की रक्षा का सवाल है। एक छोटी सी गलती कहीं बड़े हादसे को जन्म देती है पहले भी इंदौर जिले में स्कूल बसों से कहीं हादसे हुए हैं लेकिन परिवहन विभाग और स्कूल संचालक हादसों से भी सबक नहीं ले रहे क्या जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं या फिर कार्यवाही करना ही नहीं चाहते देखना होगा क्या परिवहन विभाग सड़कों पर दौड़ने वाली खटारा स्कूल बसों को रोक सकेगा या फिर ठेकेदार बन संरक्षण देगा।

ग्रामीण इलाकों के पिकनिक स्पाटों पर नहीं थम रहे हैं हादसे

देर रात को घर लौटते समय हादसे का शिकार हुए युवक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रात को जाम गेट से लौट रहे तीन युवकों की कार पेड से टकरा गई। घटना में कार में सवार तीनों युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के चलते हादसा हुआ और कार चला रहे युवक ने कार से नियंत्रण खो दिया था, जिसके कारण घटना हो गई।

बड़गोंदा टीआई प्रकाश वास्कले ने बताया कि 36 साल का आदिल पिता मोहम्मद आरिफ कुरैशी निवासी हरी फाटक महू, 27 साल का अबुजर पिता अनवर खान निवासी रेडिमेड बाजार और मो. अरकान पिता सरफराज शेख जाम गेट गए थे। लौटते समय मंडलेश्वर बड़गोंदा रोड पर जाट ढाबे के सामने उनकी कार अनियंत्रित हुई और रोड किनारे पेड से जा टकराई। कार इतनी रफ्तार में थी कि कार का अगला हिस्सा दब गया और आगे बैठे युवक उसमें दब गए। घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों ही युवकों को कड़ी मशक्कत के बाद कार से निकाला। हालाकि तब तीनों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने तीनों ही शवों को महू के मध्यभारत अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हादसे के बाद साथी भागे- बताया जा रहा है कि तीनों युवक एक कार में सवार थे और इनके साथी भी अन्य कार में सवार होकर नखेरी डेम में पार्टी करने के लिए गए थे। सभी ने वहां पार्टी की और फिर लौटते समय जिस ढाबे से खाना बनाने के लिए बर्तन लिए उस ढाबे पर वापस बर्तन भी जमा कराए और घर के निकले थे और हादसे का शिकार हो गए। यह बात सामने आ रही है कि हादसे के दौरान तीन ही युवकों के साथी मौके से भाग गए। मृतकों में शामिल अरकान साफ्टवेयर इंजीनियर था, जबकि अबुजर फेब्रिकेशन का काम करता था। घटना के बाद तीनों ही युवकों के मोहल्लों में गम की माहौल है।

इंदौर में चल रहा है 'ज़ायका सफर' बिहार से छत्तीसगढ़ तक के पारंपरिक स्वादों का उत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बिहार और छत्तीसगढ़ की पारंपरिक खाद्य संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से फेयरफील्ड बाय मैरियट इंदौर के कावा रेस्टोरेंट में 'ज़ायका सफर' बिहार टू छत्तीसगढ़' फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। 19 से 28 जून तक चलने वाले इस फेस्टिवल में मेहमानों को दोनों राज्यों के ग्रामीण, पारंपरिक और जनजातीय व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिल रहा है। फेयरफील्ड बाय मैरियट इंदौर के जनरल मैनेजर सुदीप सिन्हा ने कहा कि 'भारत की विविधता उसके खानपान में सबसे खूबसूरती से दिखाई देती है। 'ज़ायका सफर' के माध्यम से बिहार और छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं को इंदौर के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

पांच दिन से सूखे नल, 200 से ज्यादा परिवार पानी को तरसे

नर्मदा लाइन का गड्ढा बना परेशानी की जड़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वच्छता और बेहतर नागरिक सुविधाओं के दावों के बीच शहर के विधानसभा क्षेत्र-5 के वार्ड क्रमांक 42 में पिछले पांच दिनों से पेयजल संकट गहराया हुआ है। खजराना रिंग रोड चौराहे के समीप स्थित मुलतानी कॉलोनी, मेनन कॉलोनी, क्लासिक पूर्णिमा कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों के करीब 200 से अधिक परिवार पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं।

रहवासियों के अनुसार 18 जून को नर्मदा जल प्रदाय लाइन से संबंधित कार्य के लिए लिटिल फ्लावर स्कूल के पास सड़क खोदी गई थी, लेकिन इसके बाद से काम अधूरा छोड़ दिया गया। गड्ढा तो खोद दिया गया, लेकिन न तो पाइपलाइन का कार्य समय पर पूरा हुआ और न ही जलापूर्ति बहाल की गई। नतीजतन क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से नलों में पानी नहीं आया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। रहवासियों ने जलकार्य विभाग के इंजीनियर सीएस चंदेल और संबंधित अमले पर समय रहते कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो काम में तेजी आई और न ही वैकल्पिक व्यवस्था की गई। सबसे हैरानी की बात यह है कि भीषण गर्मी और जल संकट के बावजूद क्षेत्र में नियमित टैंकर भी नहीं भेजे जा रहे हैं।

पीने के पानी के लिए भटक रहे रहवासी, लोग नाराज

रहवासियों का कहना है कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को पीने के पानी के लिए दूसरे क्षेत्रों में भटकना पड़ रहा है। कई परिवारों को निजी स्तर पर पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह पूरा क्षेत्र वार्ड 42 के अंतर्गत आता है, जहां की पार्षद मुद्रा शास्त्री हैं, जबकि यह क्षेत्र विधानसभा-5 में आता है, जिसका प्रतिनिधित्व विधायक महेंद्र हार्डिया करते हैं। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। रहवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही जलापूर्ति बहाल नहीं हुई और टैंकरों की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे नगर निगम कार्यालय और जलकार्य विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर केयर सीएचएल हॉस्पिटल में आयोजित हुआ विशेष योग सत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव, अनियमित दिनचर्या और काम के दबाव के बीच योग को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का भी मानना है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों का स्वयं स्वस्थ और संतुलित रहना आवश्यक है। इसी उद्देश्य के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स, इंदौर में डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। अस्पताल परिसर में आयोजित इस सत्र में 50 से अधिक डॉक्टरों और कर्मचारियों ने भाग लिया। योग प्रशिक्षक काव्या शामनानी और अमित शामनानी के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की तकनीकों का अभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं ने किया योगाभ्यास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न ग्रामों में ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर सहभागिता निभाई। इस दौरान समूह की सदस्यों ने सामूहिक रूप से योग कर स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का संदेश दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 150 बालिकाओं ने किया योगाभ्यास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय, इंदौर कार्यालय, माय युवा भारत तथा युवा एवं खेल विभाग इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में पिछड़ा वर्ग विभाग के गर्ल्स हॉस्टल में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक चेनू सिंह चौहान ने सभी प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन कराए तथा योग के महत्व, स्वास्थ्य लाभ एवं विभिन्न आसनों के शरीर के विभिन्न अंगों पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। कार्यक्रम में 150 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सभी प्रतिभागियों को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार एवं माय युवा भारत की ओर से टी-शर्ट एवं कैप वितरित किए गए। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक ए. गोपाल, माय युवा भारत के डिप्टी डायरेक्टर पंकज गोस्वामी तथा युवा एवं खेल विभाग इंदौर की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती लीना श्रीवास विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज द्वारा प्रतिभावान 76 छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरयूपारीण ब्राह्मण समाज सेवा संस्था भारत के गौतम तिवारी व धीरेंद्र ओझा ने बताया कि सरयूपारीण ब्राह्मण समाज इस वर्ष 21 जून रविवार को हंस दास मठ में शिक्षा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में समाज के बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें के. जी. फर्स्ट से 12वीं तक के 76 छात्र छात्राओं को पुस्तक, कॉपी, बेग, लंच बॉक्स, वॉटर बाटल का वितरण किया गया साथ ही समाज के प्रतिभाशाली बच्चों के द्वारा 75% से अधिक अंक 10 वीं व 12वीं में प्राप्त किए गए थे। उनका सम्मान किया गया। जिसमें 12वीं कक्षा की अर्थव तिवारी, अनूप मिश्रा, श्रद्धा पांडे, कृतिका पांडे, प्रीतम मिश्रा व दसवीं के शिवांश मिश्रा, अनन्या मिश्रा, दिव्यांश मिश्रा, काव्य शुक्ला, कपिल शुक्ला, तनु दुबे, यशी पांडे का सम्मान प्रमाण पत्र व उपहार देकर किया गया। प्रो. डॉ. पी. एन. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहाँ कि समाज को शिक्षा क्षेत्र में निरंतर आगे बढना जरूरी है इसके लिए मैं समाज को हर तरह का सहयोग दिया जायेगा। चंद्रमोहन दुबे व्दारा समाज के बच्चे आचार्य की उपाधि प्राप्त करेगे उनको 3100/-राशि से सम्मानित करने की घोषणा की साथ ही पार्षद मनोज मिश्रा व्दारा 5 बच्चों को 2100/- छात्रवृत्ति की घोषणा की गई।

स्मृति नगर में नवीन संत - सदन का लोकार्पण समारोह विमल सागर व अनंत सागर महाराज के सानिध्य में हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज स्मृति नगर की श्रद्धा सेवा एवं सामूहिक समर्पण से निर्मित नवीन संत सदन का लोकार्पण समारोह पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी एवं अनंत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। उक्त भवन का शिलान्यास समाधिस्थ संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के कर कमलों से हुआ था। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आज रविवार को प्रात: 6:00 बजे से जाप्यानुष्ठान, जी के अभिषेक, शांति धारा, संगीतमय पूजन व शांति विधान हुआ। तत्पश्चात पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जब स्मृति नगर में आचार्य विद्यासागर महाराज के चरण पड़े थे तब इस भवन का शिलान्यास उन्हीं के कर कमलों से हुआ था। आचार्य श्री ने कहा था कि मंदिर निर्माण तो हो जाएगा किंतु चलते फिरते तीर्थों के लिए धाम नहीं बनाया तो वे कहां रुकेंगे। और संतों का चातुर्मास कहां होगा।

नि:शुल्क दंत स्वास्थ्य शिविर संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाज के वंचित एवं श्रमिक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्री अरविंदो दंत चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा 19 जून को लेबर चौक, इंदौर में नि:शुल्क दंत स्वास्थ्य परीक्षण एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

11मातृ शक्तियाँ अहिल्या अलंकरण से अलंकृत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 11 मातृ शक्तियों डॉ. दीपा सोमानी, श्रीमती सरोज चंदेल, अर्चना जीनवाल, नम्रता सावंत डॉ. प्रविशी पिंग्ले, मधुबाला चंदन, सना खान, किरण जैन, प्रीति जैन, रूपल ठक्कर, सौम्या जैन को अहिल्या अलंकरण से अलंकृत कर उनके हौसले को सराहा गया। सभी मातृ शक्तियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि अब सभी साथ मिलकर कार्य करेंगे और समाज को सशक्त-संस्कारवान बनाने में अपना योगदान देंगे।

सूर्य नमस्कार यज्ञ-पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित 'Yoga for Healthy Ageing' अभियान के अंतर्गत 19 जून 2026 को आयोजित सूर्य नमस्कार यज्ञ एवं पुरस्कार वितरण समारोह अत्यंत उत्साह, श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, वर्तमान विद्यार्थियों एवं पूर्व विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर शिक्षण सत्र के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित छायाचित्र प्रतियोगिता में विकास कुमार ने प्रथम, वेदिका वर्मा ने द्वितीय तथा अंजू राजावत एवं विजया दवेसर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सर्वाधिक उपस्थिति पुरस्कार में माधुरी चौहान एवं अश्विनी मिश्रा संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहे। डॉ. प्रमोद नंदवाल एवं स्वीटी महाजन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि शिखा जैन, प्रतिभा काबरा एवं रेखा चौहान संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं।

योग जीवन को अनुशासित बनाता है- उईके

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में योग दिवस पर अनेक आयोजन हुए और लोगों ने अनेक आसन कर योग किए। बास्केटबॉल स्टेडियम में हुए आयोजन में केंद्रीय मंत्री दुर्गादास ने कहा कि भारत का जन्म सनातन धर्म में हुआ है। हमारे देश में 16 संस्कार हैं। भारत में जन्मे व्यक्ति को पुरुषोत्तम कहा जाता है। वेद हमारे पूर्वजों की जीवन शैली रहे हैं। इसका उल्लेख वेद और उपनिषदों में भी है। योग जीवन को अनुशासित और संतुलित बनाता है। अब हार्ट अटैक, मानसिक अशांति और तनाव के मामले बढ़ने लगे हैं। ऐसे में योग अब ज्यादा आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

एमपी ट्रांसको ने इंदौर स्काडा सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से किया अपग्रेड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपने इंदौर स्थित सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (स्काडा) सेंटर में अत्याधुनिक स्काडा प्रणाली का सफलतापूर्वक उन्नयन एवं कमीशनिंग कर दी है। इस उन्नत प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ई.एच.टी.) ट्रांसमिशन नेटवर्क की रीयल-टाइम निगरानी, डेटा विश्लेषण तथा साइबर सुरक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नई स्काडा प्रणाली का विकास केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.) द्वारा जारी नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। इसमें अत्याधुनिक तकनीकों, आधुनिक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर तथा उन्नत साइबर सुरक्षा सुविधाओं को शामिल किया गया है। यह प्रणाली प्रदेशभर के ई.एच.टी सब स्टेशनों से प्राप्त परिचालन संबंधी आंकड़ों के रीयल-टाइम संग्रहण, प्रोसेसिंग, भंडारण और विश्लेषण को सक्षम बनाएगी।

एनसीटीई प्रवेश प्रक्रिया में कल तक ही कर सकेंगे पंजीयन, दूसरे चरण के आवेदन आज तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएड, एमएड (एकीकृत तीन वर्षीय), बीएलएड, बीएड (अंशकालीन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) 2026-27 एनसीटीई प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत दूसरे राउंड के पंजीयन शुरु हो गए है। इस राउंड में विद्यार्थियों को पंजीयन शुल्क 150 रुपए देना रहेगा। पंजीयन की अंतिम तारीख 22 जून है। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 23 जून तक किया जाएगा। मेरिट सूची का प्रकाशन 25 जून और सीटों का आवंटन 29 जून को किया जाएगा। आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों, टीसी, माइग्रेशन के साथ भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंक इनिशिएट करने के लिए 29 जून से 4 जुलाई तक समय रहेगा। महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तारीख 29 जून से 6 जुलाई तक है। प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश नहीं माना जाएगा। तीसरे चरण का ऑनलाइन पंजीयन 7 से 11 जुलाई तक किया जा सकेगा। तीसरे चरण की प्रक्रिया 22 जुलाई तक चलेगी।

नेक्सस इंदौर सेंट्रल और ट्रेजर आइलैंड लेकर आए सेल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस सीजन नेक्सस इंदौर सेंट्रल और ट्रेजर आइलैंड एंड ऑफ सैडनेस सेल की शुरुआत के साथ रोजमर्रा की जिंदगी में खुशियों के छोटे-छोटे पल जोड़ रहे हैं और पूरे इंदौर को इसका हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। महज एक सेल से कहीं बढ़कर, यह अभियान एक सरल सच्चाई से प्रेरित है कि लोग मॉल में सिर्फ खरीदारी करने नहीं आते। वे यहाँ अपने जीवन के खास पड़ावों का जश्न मनाने, दोस्तों से मिलने, परिवार के साथ वक्त बिताने, नई यादें संजोने, नए अनुभवों को तलाशने और अक्सर अपने मूड को बेहतर बनाने के लिए आते हैं।

समसगढ़ में श्रीफल भेंट किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मां अहिल्या की धर्म नगरी इंदौर में श्रंमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के प्रयाग शिष्य उज्जैन नगर गोरव परम पूज्य मुनि श्री साध्य सागर जी महाराज संसघ ने 2026 का वर्षायोग बीसपंथी मंदिर इंदौर में करने स्वीकृति प्रदान की धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि बीसपंथी मंदिर, मल्हारगंज से परम गुरु भक्त श्रद्धालुओं का प्रतिनिधि मंडल सीहोर के समीप स्थित समसगढ़ पहुंचा, जहां श्रंमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य, चर्या शिरोमणि, संयम पुरुषोत्तम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि श्री साध्य सागर जी महाराज संसघ विराजमान हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, सोमवार 22 जून 2026

न्यूज़ ब्रीफ

शहर में पहली बार हो रही खाटू श्याम पर आधारित भगवत कथा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलियुग में सबसे ज्यादा वंदनीय-पूजनीय देवता खाटू श्याम श्याम बाबा माने जाते हैं। देश ही नहीं, विदेशों में भी श्याम बाबा के भक्तों की बहुत बड़ी संख्या है जिन्होंने कनाडा, रूस, ब्रिटेन और अन्य देशों में भी श्याम बाबा के मंदिर बना रखे हैं। श्याम बाबा हारे का सहारा के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण ने वरदान दिया है कि कलियुग में सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देव आप ही होंगे। दिल्ली से आए स्वामी संजय प्रभाकर ने एयरपोर्ट रोड, अंबिकापुरी स्थित श्री खाटू श्याम धाम के 29वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में पहली बार आयोजित पांच दिवसीय खाटू श्याम भागवत के दौरान उक्त विचार व्यक्त किए। पं. संजय प्रभाकर यहाँ प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक खाटू श्याम बाबा के जीवन पर आधारित भागवत सुना रहे हैं। आज भागवत कथा में उन्होंने शिव विवाह, 24 अवतार, नागलोक, भीम-हिडिंबा विवाह एवं घटोत्कच के जन्म की कथाएँ सुनाई।

बरजी बाई अग्रवाल नशा मुक्ति केंद्र पर 26 जून को निशुल्क चिकित्सा शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंकुर रिहेब सेंटर पर 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर 2 से 4 बजे तक आम लोगों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा, जिसमें प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. हिमांशु मंशारमानी, डॉ. वृष्टि पाटिल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नेहा रॉय अपनी टीम के साथ नि:शुल्क परीक्षण कर जरुरतमन्द मरीजों को दवाईयां भी देंगे। श्री युगपुरुष धाम संस्था के सचिव तुलसीदास धनराज शादिजा, अध्यक्ष श्रीमती जानवी-पवन ठाकुर एवं प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि अंकुर के माध्यम से अब तक 40 लोग नशा मुक्ति प्राप्त कर स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जी रहे हैं। अब सेंटर की शाखा के रूप में बरजी बाई अग्रवाल नशा मुक्ति केंद्र भी गत फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है।

अग्रवाल संगठन नवलखा के चुनाव में गोयल अध्यक्ष एवं मित्तल महामंत्री बने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था अग्रवाल संगठन नवलखा क्षेत्र के वर्ष 2026-27 के निर्वाचन में अखिलेश गोयल सोनू अध्यक्ष और विकास मित्तल बी जे विहार महामंत्री चुने गए। इस संगठन में 35 कॉलोनियों के 500 से अधिक परिवारों का प्रतिनिधित्व किया जा रहा है। अन्य पदाधिकारियों में संजय बद्रुका कोषाध्यक्ष, दीपक अग्रवाल उपाध्यक्ष, पूनम गुप्ता महिला उपाध्यक्ष, विपिन गोयल प्रचार मंत्री, सुरेश अग्रवाल संयोजक, आशीष बद्रुका सह-प्रचार मंत्री, संजय बंसल सह-सचिव एवं विशाल अग्रवाल सह-संयोजक निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। संगठन के निर्विरोध चुनाव कराने में निर्वाचन समिति एवं पूर्व अध्यक्षों ने आपसी तालमेल जमाकर इन नए पदाधिकारियों को संगठन की कमान सौंपी है।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लंगर के लिए 16 मीट्रिक टन राशन सामग्री लेकर पहला ट्रक होगा रवाना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवलखा चौराहा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर ट्रस्ट द्वारा अमरनाथ यात्रा मार्ग स्थित बालटाल पर लगाए जाने वाले लंगर के लिए राशन एवं भोजन सामग्री से भरा पहला ट्रक 22 जून को शाम 5 बजे अग्रसेन चौराहा स्थित मंदिर पर पूजा-अर्चना के बाद रवाना किया जाएगा। इधर मंदिर से जुड़े भक्तों द्वारा लंगर के लिए राशन सामग्री एकत्र करने का अभियान गत 9 जून से लगातार जारी है।

खरगोन का नवग्रह लोक प्रोजेक्ट अटका, ठेकेदार पर एक्शन की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● 25 करोड़ के नवग्रह लोक कॉरिडोर प्रोजेक्ट में देरी और गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। प्रशासन ने ठेकेदार को टर्मिनेशन नोटिस दिया है और कंसल्टेंट एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी है। परियोजना अब और देर में फंस सकती है। खरगोन जिले में नवग्रह लोक कॉरिडोर प्रोजेक्ट चर्चा में है। यह प्रोजेक्ट धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बनाया जा रहा है। लेकिन समय सीमा बीतने के बाद भी काम पूरा नहीं हो सका है। कई महत्वपूर्ण हिस्से अब भी अधूरे पड़े हैं। इससे प्रशासन की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

कुंदा नदी के किनारे पर्यटन बढ़ाना उद्देश्य

महाकाल लोक की तर्ज पर इस प्रोजेक्ट की योजना बनी थी। इसका उद्देश्य कुंदा नदी के किनारे पर्यटन बढ़ाना है। परियोजना का कुल क्षेत्र लगभग 1.17 लाख वर्गफीट है। इसमें घाट, कथा हॉल और मंडप हॉल शामिल हैं। मुख्य प्रवेश द्वार का काम भी अभी अधूरा है। कलेक्टर भव्या मित्तल ने स्थिति को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि तय समय में काम पूरा नहीं हुआ। निर्माण की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी वजह से ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है। अब अनुबंध समाप्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

कंसल्टेंट एजेंसी पर भी कार्रवाई की तैयारी

इंदौर की कंसल्टेंट एजेंसी पर भी कार्रवाई की तैयारी है। डीपीआर तैयार करने में लापरवाही के आरोप लगे हैं। प्रशासन ने एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का प्रस्ताव भेजा है। इससे निर्माण प्रक्रिया पर सवाल और बढ़ गए हैं। पूरे प्रोजेक्ट की निगरानी अब कड़ी की गई है।

ठेकेदार को 15 दिन का समय

प्रशासन ने ठेकेदार को 15 दिन का समय दिया है। इस अवधि में संतोषजनक जवाब देना होगा। यदि जवाब नहीं मिला तो अनुबंध समाप्त किया जाएगा। इसके बाद नया टेंडर जारी किया जाएगा। इससे परियोजना में और देरी होने की आशंका है। पीआईयू के कार्यपालन यंत्री मनदीप डाबर ने जानकारी दी है। उनके अनुसार मुख्य ढांचागत काम पूरा हो चुका है। लेकिन फिनिशिंग का काम अभी बाकी है। फर्श निर्माण और वॉश एरिया अधूरा है। घाट और सीढ़ियों का काम भी लंबित है।

2022 में घोषित हुआ था प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट 2022 में घोषित किया गया था। 2023 में इसका भूमिपूजन किया गया था। तब उम्मीद थी कि काम तेजी से पूरा होगा। लेकिन अब तक कई हिस्से अधूरे हैं। इससे स्थानीय लोगों में भी निराशा बढ़ी है। अब प्रशासन का फोकस काम पूरा कराने पर है। लेकिन नए टेंडर से समय और बढ़ सकता है। नवग्रह लोक का भविष्य अब फैसलों पर टिका है।

उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन मामले में सांसद का पत्र देर से जागी चिंता का प्रमाण - विवेक खंडेलवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने इंदौर-उज्जैन महानगर क्षेत्र के मुख्यालय को इंदौर में स्थापित करने संबंधी सांसद शंकर लालवानी द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र पर सवाल उठाए हैं। विवेक खंडेलवाल ने कहा कि अगस्त 2024 में जब इंदौर, उज्जैन, देवास एवं धार को मिलाकर महानगर क्षेत्र बनाने की अवधारणा सामने आई थी, तभी से इंदौर के हितों, पहचान और प्रशासनिक नेतृत्व को लेकर जनप्रतिनिधियों को सजग होना चाहिए था। लेकिन लगभग दो वर्षों तक कोई प्रभावी सार्वजनिक विरोध या पहल सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2026 से विभिन्न समाचार माध्यमों और सार्वजनिक चर्चाओं में 'उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन' नाम सामने आने लगा था। उस समय भी इंदौर के सांसद सहित किसी बड़े जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक रूप से आपत्ति दर्ज नहीं कराई। यदि उसी समय इंदौर की ओर से सशक्त आवाज उठाई जाती तो आज यह स्थिति निर्मित नहीं होती। खंडेलवाल ने कहा कि 16 जून 2026 को गजट अधिसूचना जारी होने के बाद 18 जून 2026 को सांसद द्वारा मुख्यालय इंदौर में रखने का पत्र लिखना कई सवाल खड़े करता है। जनता जानना चाहती है कि जब नाम परिवर्तन और संरचना की प्रक्रिया चल रही थी तब सांसद महोदय मौन क्यों थे? क्या उस समय मुख्यमंत्री अथवा संबंधित विभाग के समक्ष कोई लिखित आपत्ति दर्ज कराई गई थी? यदि कराई गई थी तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

खाटू श्याम भक्तों ने पांच महामंडलेश्वरों के सानिध्य में नाचते-गाते

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एयरपोर्ट रोड, अंबिकापुरी स्थित श्री खाटू श्याम धाम के 29वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ शनिवार सुबह महामंडलेश्वर गोपाल दास महाराज, महामंडलेश्वर राघवेंद्र दास महाराज, महामंडलेश्वर हनुमान दास महाराज, महामंडलेश्वर नलिनी दास महाराज एवं महामंडलेश्वर पंकज दास महाराज के सानिध्य में स्मृति नगर स्थित शिव मंदिर से अंबिकापुरी स्थित खाटू श्याम धाम मंदिर तक निकली भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। सुबह कलश यात्रा के पश्चात गौ माता के पूजन के साथ खाटू श्याम महायज्ञ का भी शुभारंभ हुआ। बैंड-बाजों, श्याम बाबा के रथ, पताकाओं एवं भजन-गरबा मंडलियों की रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच निकली इस कलश यात्रा ने समूचे एयरपोर्ट क्षेत्र को श्याम बाबा की भक्ति के रंग में रंग डाला। महंत नीलू बाबा ने बताया कि मंदिर के 29वें स्थापना दिवस पर इस बार भी सात दिवसीय महोत्सव हो रहा है, जिसका शुभारंभ शनिवार को सुबह कलश यात्रा एवं खाटू श्याम महायज्ञ के साथ हुआ। महायज्ञ में शामिल होने वाले यजमानों को आचार्य विद्वानों ने हेमाद्रि संकल्प एवं पंचांग कर्म के बाद मंडप प्रवेश कराया। विद्वान आचार्यों के निर्देशन में मंडल पूजन एवं अग्नि स्थापना के साथ खाटू श्याम बाबा के जयघोष के बीच महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। महायज्ञ प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 तक होगा।

कॉंग्रेस ने काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट का विरोध करने का पाप किया- पाटीदार

● भाजपा कार्यालय पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज दोपहर भाजपा कार्यालय पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत, सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र राठौर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष रघु यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश राठौर, मोहित वर्मा की उपस्थिति में मोर्चा की कामकाजी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के पूर्व श्री पाटीदार का कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पाटीदार ने कहा कि हम विचार आधारित दल के कार्यकर्ता हैं। विचार से कभी भी हमारे पूर्वजों ने समझोता नहीं किया। इसलिए भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल हैं। उन्होंने कहा कि काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट को अस्वीकार करने का पाप कॉंग्रेस ने किया। उस रिपोर्ट में ओबीसी आरक्षण की बात थी लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने आयोग की रिपोर्ट का विरोध करने का काम किया, इस बात को कार्यकर्ता बस्तियों में जाकर लोगों को बताये। भाजपा ने तो ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर वर्ग के उत्थान की दिशा में काम किया है। हमारी सरकार योजनाओं के माध्यम से पिछड़े वर्ग का उत्थान कर रहे हैं।

विश्व योग दिवस पर श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम पर सनातन साधना का अद्भुत संगम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम में सनातन परंपरा, आध्यात्मिक साधना और योग का अनूठा संगम देखने को मिला। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज के सानिध्य में सैकड़ों बटुक ब्राह्मणों और संतों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश दिया। प्रात:कालीन वातावरण में पारंपरिक वेशभूषा धारण किए बटुक ब्राह्मणों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया।

टूटते-बिखरते रिश्तों को संभालने के लिए परिवार के संस्कार और बुजुर्गों के आदर्शों को भी अपनाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रिश्ते बनते मुश्किल से हैं लेकिन बिखरते बहुत सरलता से हैं। वर्तमान में रिश्तों में टूटन और बिखराव का दौर कुछ ज्यादा ही चल रहा है, चाहे पति-पत्नी का रिश्ता हो या माँ बेटी का, बेटी-बेटे का हो या भाई-बहन का अथवा सखियों या प्रेमी युगल का। रिश्तों को सहेजने और सँवारने की कोई कोचिंग या ट्रेनिंग नहीं होती लेकिन यदि परिवार के बुजुर्गों, माता-पिता और समाज के वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन मिलता रहे तो रिश्तों को दरकने से बचाया जा सकता है। यह निष्कर्ष है महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज द्वारा मल्हार मेगा मॉल एबी रोड पर आयोजित परिचर्चा का, जिसमें शामिल 100 से अधिक सखियों ने रिश्तों की टूटन, उलझन और बिखराव के सभी आयामों पर खुलकर चर्चा भी की और व्हाट्सअप पर भी अपने विचार साझा किए। सखियों को इस विषय के बारे में पहले से ही अवगत करा दिया गया था। इस चर्चा में प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल, मोनिका, गरिमा,मोना सहित अनेक सखियों ने बेबाकी से अपने विचार साझा किए। इस चर्चा का निष्कर्ष यही रहा कि रिश्तों को बचाने की जिम्मेदारी दोनों पक्षों की होना चाहिए क्योंकि रिश्तों को तोड़ने और बिखेरने के लिए भी दोनों ही पक्ष जिम्मेदार होते हैं, किसी एक को दोष देना ठीक नहीं है।

नए सिविल अस्पताल में ओपीडी शुरू, सेमल्दा मार्ग स्थित 50 बेड के अस्पताल में मिलेंगी सेवाएं

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● सेमल्दा मार्ग स्थित 50 बेड क्षमता वाले नवीन सिविल अस्पताल में सोमवार से ओपीडी सेवाएं शुरू हो रही हैं। सुबह 9:30 बजे से मरीजों को यहां उपचार मिल सकेगा। बीएमओ चंपा बघेल ने रविवार शाम को यह जानकारी दी। यह अस्पताल लगभग 9 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ है। नए अस्पताल में 50 बेड की सुविधा के साथ 24 घंटे डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यहां एमडी डॉक्टर, एमबीबीएस चिकित्सक, प्रसूति विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर, डिलीवरी वार्ड, जनरल वार्ड और आईसीयू वार्ड की भी व्यवस्था है। मरीजों के लिए कई प्रकार की जांचें नि:शुल्क उपलब्ध होंगी और एंबुलेंस सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस अस्पताल से मनावर विकासखंड की लगभग दो लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, गंधवानी और धरमपुरी तहसील के करीब दो दर्जन गांवों के निवासियों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

तापमान बढ़ने की रफ्तार ने बढ़ाई चिंता, अब खतरे की नई घंटी है जलवायु संकट

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की नई रिपोर्ट ने चेताया है कि एशिया में तापमान बढ़ने की रफ्तार दोगुनी हो चुकी है। बढ़ती गर्मी, हीटवेव और प्राकृतिक आपदाएं आने वाले जलवायु संकट की गंभीर तस्वीर पेश कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान को लेकर दुनिया भर में हुए वैज्ञानिक अध्ययनों में दी गई चेतावनियों को शायद कभी गंभीरता से नहीं लिया गया है। कागजों में भले ही कई तरह के कार्यक्रमों और योजनाओं का खाका तैयार किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन्हें प्रभावी तरीके से लागू करने की तत्परता नजर नहीं आती। यही वजह है कि वैश्विक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया क्षेत्र में वर्ष 1991 से 2025 के दौरान तापमान वृद्धि दर 1961 से 1990 की तुलना में लगभग दोगुनी रही। इसमें वर्ष 2025 अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक के रूप में उभरा है। इसके नतीजतन प्राकृतिक आपदाओं में तेजी आई है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि मानवीय क्षति में भी बढ़ोतरी हुई है। सवाल है कि आखिर पर्यावरण संरक्षण के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के उपायों को लेकर हर स्तर पर लापरवाही क्यों बरती जा रही है? गौरतलब है कि जलवायु विशेषज्ञ पहले भी एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते तापमान को लेकर सचेत करते रहे हैं। अगर तापमान को स्थिर नहीं रखा गया तो इसके नतीजे दूरगामी और भयावह हो सकते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट से पता चलता है कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान बढ़ रहा है। ऐसे में भारत समेत क्षेत्र के अन्य देशों को सजग होने की जरूरत है। इस रिपोर्ट को इसलिए भी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है क्योंकि इसमें बताया गया है कि वर्ष 2025 के दौरान एशिया के लगभग सभी समुद्री क्षेत्रों में भीषण लू चली। स्वाभाविक रूप से इसका प्रभाव कई देशों पर पड़ा है। पूर्वी और पश्चिमी एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए न केवल सरकारी बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। अगर समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए गए तो निकट भविष्य में जलवायु संकट एक ऐसी चुनौती बनकर सामने खड़ा होगा, जिससे निपटना आसान नहीं होगा। क्या मानव सभ्यता अपने विकास के सबसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है? यह प्रश्न अब केवल पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों या नीति-निर्माताओं तक सीमित नहीं रह गया है।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की धारा 26 ए का डंडा चला-16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध

भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 20 जून 2026 को जनस्वास्थ्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया। मंत्रालय ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की धारा 26ए के अंतर्गत अधिसूचना जारी कर 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक, उत्तरदायी और साक्ष्य-आधारित औषधि नीति का स्पष्ट संकेत भी है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया दवा सुरक्षा,एंटीबायोटिक प्रतिरोध, तर्कसंगत औषधि उपयोग और रोगी सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब भारत का यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन अर्थात ऐसी दवाएं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय तत्वों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में तैयार किया जाताहै चिकित्सा विज्ञान में एफडीसी का सिद्धांत नया नहीं है। यदि दो या अधिक दवाओं का संयोजन रोगी के लिए अधिक प्रभावी, सुरक्षित, सुविधाजनक और उपचार अनुपालन को बेहतर बनाने वाला हो तो ऐसे संयोजन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। क्षय रोग, एचआईवी, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी अनेक बीमारियों के उपचार में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एफडीसी दवाओं कासफल उपयोग किया जाता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि समस्या तब उत्पन्न होती है जब पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन क्लिनिकल परीक्षण और चिकित्सीय औचित्य के बिना अनेक दवा संयोजन बाजार में उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसे संयोजन न केवल अपेक्षित लाभ देने में विफल रहते हैं, बल्कि कई बार रोगियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी उत्पन्न कर सकते हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विशेषज्ञ समितियों, तकनीकी सलाहकार समूहों और वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि संबंधित 16 एफडीसी दवाओं का पर्याप्त चिकित्सीय औचित्य उपलब्ध नहीं है।उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर यह पाया गया कि इन दवाओं के उपयोग से होने वाले संभावित जोखिम इनके संभावित लाभों की तुलना में अधिक हैं। इसलिए जनहित और रोगी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक समझा गया। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह भारत में तर्कसंगत औषधि उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। चिकित्सा विज्ञान का मूल सिद्धांत है कि प्रत्येक दवा का उपयोग केवल तभी किया जाए जब उसका लाभ उसके जोखिम से अधिक हो। यदि किसी दवा या दवा संयोजन के प्रभावी और सुरक्षित होने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हों, तो उसका बाजार में बने रहना उचित नहीं माना जा सकता। यही सिद्धांत इस निर्णय की आधारशिला है।प्रतिबंधित 16 एफडीसी दवाओं में विभिन्न

श्रेणियों के संयोजन शामिल हैं। इनमें एंटीबायोटिक संयोजन, दर्द निवारक दवाएं, त्वचा रोग उपचार संबंधी क्रीम और लोशन, मधुमेह उपचार के कुछ बहु-घटक संयोजन, एंटीफंगल-स्टेरॉयड-एंटीबायोटिक क्रीम तथा अन्य बहु-घटक दवा संयोजन शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित संयोजनों में निम्न प्रकार के प्रमुख संयोजन शामिल हैं-निश्चित खुराक संयोजन दवाओं की प्रतिबंधित सूची एमोक्सिसिलिन+सेराटियोपेप्टिडेज़ + लैक्टोबैसिलस स्पोरोजेन्स, एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़ एमोक्सिसिलिन + क्लोक्सासिलिन + लैक्टिक एसिड बैसिलस + सेराटियोपेप्टिडेज़, सेफ्यूरोक्सिम + सेराटियोपेप्टिडेज़, सेफैड्रोक्सिल + प्रोबेनेसिड, डाइसाइक्लोमाइन + पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड + क्लोर्डियाज़ेपॉक्साइड,डाइसाइक्लोमाइन +पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड,एलोवेरा का अर्क + एलेंटोइन + अल्फाटोकोफेरोल एसीटेट + डी-पैन्थेनॉल + विटामिन ए,एलोवेरा का अर्क + विटामिन ई + डाइमेथिकोन + ग्लिसरीन, एलोवेरा + जोजोबा ऑयल + विटामिन ई,एलोवेरा + संतरे का तेल, एलोवेरा + विटामिन ई +हर्बल, पैरासिटामोल + लिग्नोकेन ग्लिक्लाजाइड + क्रोमियम पिकोलीनेट समिति द्वारा समीक्षा की गई दो अतिरिक्त निश्चित खुराक वाली दवाओं के संयोजन को भी पर्याप्त चिकित्सीय समर्थन के अभाव में प्रतिबंधित कर दिया गया। अन्य वैज्ञानिक आधारहीन बहु-घटक एफडीसी उत्पाद। उल्लेखनीय है कि अंतिम आधिकारिक अधिसूचना में प्रत्येक उत्पाद का विस्तृत रासायनिक नाम, शक्ति तथा संरचना का विवरण उपलब्ध होता है, जिसके आधार पर संबंधित उत्पादों की पहचान की जाती है।इन प्रतिबंधित दवाओं में एंटीबायोटिक संयोजनों को लेकर विशेष चिंता व्यक्त की गई है।आज पूरी दुनिया एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस अर्थात एंटीबायोटिक प्रतिरोध की गंभीर समस्या से जूझ रही है। जब एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक या अनुचित उपयोग किया जाता है, तो जीवाणु धीरे-धीरे उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। परिणामस्वरूप सामान्य संक्रमणों का उपचार कठिन हो जाता है और मृत्यु दर बढ़ने लगती है। विश्व स्वास्थ्य समुदाय कई वर्षों से चेतावनी दे रहा है कि यदि एंटीबायोटिक प्रतिरोध को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में सामान्य संक्रमण भी घातक सिद्ध हो सकते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक आधार के बिना तैयार किए गए एंटीबायोटिक संयोजन सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सटीकता से गंभीर खतरा बन सकते हैं। भारत विश्व के सबसे बड़े दवा उत्पादक देशों में से एक है। वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका तथा अनेक विकसित देशों में भारतीय दवाओं का व्यापक उपयोग होता है। इसलिए भारत की औषधि नियामक प्रणाली द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय वैश्विक औषधि बाजार और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी प्रभाव डालता है। जब भारत किसी दवा या दवा संयोजन को वैज्ञानिक आधार पर प्रतिबंधित करता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी एक स्पष्ट संदेश देता है कि रोगी सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रमाण सर्वोच्च प्राथमिकता हैं।इस निर्णय का कानूनी आधार औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26ए है। यह धारा केंद्र सरकार को यह अधिकार प्रदान करती है कि यदि किसी दवा के उपयोग से मानव स्वास्थ्य को जोखिम हो सकता है अथवा उसके सुरक्षित एवं प्रभावी होने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हों, तो सरकार उसके निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा सकती है।यह प्रावधान भारतीय औषधि नियामक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा तंत्र है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को संभावित रूप से हानिकारक दवाओं से बचाना है।भारत सरकार इससे पहले भी कई अवसरों पर इसी धारा का उपयोग कर चुकी है। पिछले वर्षों में सैकड़ों फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया था। उन निर्णयों का उद्देश्य भी यही था कि बाजार में केवल वही दवाएं उपलब्ध रहें जिनकी प्रभावशीलता और सुरक्षा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो।वर्तमान निर्णय उसी प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। दवा उद्योग के दृष्टिकोण से भी यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक फार्मास्युटिकल उद्योग में अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता नियंत्रण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। जब नियामक संस्थाएं वैज्ञानिक मानकों को कठोरता से लागू करती हैं,तो दवा कंपनियां भी अधिक शोध, बेहतर क्लिनिकल परीक्षण और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के पालन के लिए प्रेरित होती हैं। इससे पूरे उद्योग की विश्वसनीयता बढ़ती है और रोगियों को सटीकता से सुरक्षित उपचार उपलब्ध होता है।

साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि दवा बाजार में केवल उत्पादों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक लक्ष्य यह होना चाहिए कि उपलब्ध प्रत्येक दवा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, प्रभावी और सुरक्षित हो। यही कारण है कि विश्व के विकसित देशों में दवाओं की स्वीकृति के लिए कठोर वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक होते हैं। भारत भी इसी दिशा में, आगे बढ़ रहा है और वर्तमान निर्णय इस प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।रोगियों के लिए भी यह निर्णय महत्वपूर्ण संदेश देता है। अनेक लोग बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का उपयोग करते हैं या फार्मेसी से सीधे दवाएं खरीद लेते हैं। विशेष रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का अनियंत्रित उपयोग लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार सलाह देते रहे हैं कि किसी भी दवा का उपयोग केवल योग्य चिकित्सक की सलाह पर ही किया जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति वर्तमान में प्रतिबंधित संयोजन वाली दवा का उपयोग कर रहा है, तो उसे घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने चिकित्सक से परामर्श लेकर उपयुक्त वैकल्पिक उपचार अपनाना चाहिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना का मूल सार यह है कि केंद्र सरकार ने उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों, विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों और सार्वजनिक स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए यह संतोष व्यक्त किया कि संबंधित 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं का कोई पर्याप्त चिकित्सीय औचित्य नहीं है तथा उनका उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकता है। जनहित में इनके निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। यही अधिसूचना इस निर्णय का आधिकारिक आधार है।यदि इस निर्णय को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह केवल 16 दवाओं पर प्रतिबंध का मामला नहीं है,बल्कि भारत की स्वास्थ्य नीति में गुणवत्ता, पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय दर्शाता है कि सरकार केवल दवाओं की उपलब्धता पर ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता पर भी समान रूप से ध्यान दे रही है। रोगी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना किसी भी आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की पहचान होती है।आज जब विश्व स्वास्थ्य संगठन, विभिन्न राष्ट्रीय नियामक संस्थाएं औरचिकित्सा वैज्ञानिक तर्कसंगत औषधि उपयोग तथा एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध की रोकथाम पर जोर दे रहे हैं, तब भारत का यह कदम वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों के अनुरूप दिखाई देता है। इससे न केवल भारतीय नागरिकों को सुरक्षित उपचार मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि कहा जा सकता है कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर लगाया गया प्रतिबंध जनस्वास्थ्य सुरक्षा, वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति और जिम्मेदार औषधि नियमन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह निर्णय रोगियों की सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा, एंटीबायोटिक प्रतिरोध जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में योगदान देगा, दवा उद्योग में अनुसंधान एवंगुणवत्ता को प्रोत्साहित करेगा तथा भारत को साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य नीति अपनाने वाले अग्रणी देशों की श्रेणी में और अधिक मजबूत स्थानदिलाएगा।

-संकलनकर्ता लेखक - **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं** गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

धार में मानसून सक्रिय किसानों के चेहरे खिले

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले में मानसून सक्रिय हो गया है। बारिश का दौर शुरू होने से किसानों में खुशी है, जो अब बोवनी की तैयारियों में जुटेंगे। इस वर्ष मानसून की देरी के कारण जिले में बोवनी का कार्य प्रभावित हुआ था और किसान पर्याप्त बारिश का इंतजार कर रहे थे। मानसून की शुरुआत के साथ ही शहर की कुछ पुरानी समस्याएं भी सामने आ गई हैं। घोड़ा चौपाटी से इंदौर नाके तक करोड़ों रुपए की लागत से बनी आदर्श सड़क पर जलभराव का खतरा मंडरा रहा है। इसी कारण हर वर्ष बारिश में इस मार्ग पर जलभराव की स्थिति बन जाती है। हालांकि इस बार अभी बारिश का सिलसिला शुरू ही हुआ है, लेकिन नागरिकों को आशंका है कि तेज बारिश होने पर यह सड़क फिर से तालाब में बदल सकती है। यह मार्ग धार-इंदौर को जोड़ने वाला शहर का सबसे व्यस्त मार्ग है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं।

जलभराव समस्या पर बनी सहमति, एनएचएआई और प्रशासन ने जल निकासी सुधार के लिए कई कार्यों पर दी मंजूरी

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ● बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर स्थित ग्राम बामनसूता में जलभराव की समस्या के समाधान को लेकर प्रशासन, एनएचएआई अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच सहमति बन गई है। इसके बाद किसानों ने सोमवार को प्रस्तावित आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया है।

क्षेत्र के किसानों का कहना था कि फोरलेन निर्माण के बाद वर्षा का पानी खेतों में भरने लगा है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचता है। पिछले वर्ष भी जलभराव के कारण कई किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर ग्रामीण आंदोलन की तैयारी कर रहे थे।

अधिकारियों ने किया निरीक्षण- आंदोलन से पहले रविवार को एसडीएम प्रियंका मिमरोट, तहसीलदार सुरेश नागर और एनएचएआई के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान पर चर्चा की। बैठक के बाद कई बिंदुओं पर सहमति बनी, जिससे क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने का रास्ता साफ हुआ। सहमति के अनुसार बामनसूता फाटे पर 3म2 मीटर का नया बॉक्स बनाया जाएगा।

इसके अलावा फाटे के दोनों ओर 2म2 मीटर के अतिरिक्त जल निकासी बॉक्स भी निर्मित किए जाएंगे। पंचकवासा स्थित अन्नपूर्णा मंदिर के पास भी 3म2 मीटर का एक अतिरिक्त बॉक्स बनाया जाएगा। आवश्यक स्थानों पर सीमेंट कंक्रीट की दीवारें बनाकर पानी को नालों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

नालियों की सफाई और लेवलिंग होगी- बामनसूता-कठोडिया मार्ग के दोनों ओर नालियों की सफाई कराई जाएगी ताकि बारिश के दौरान पानी का बहाव बाधित न हो। राजमार्ग के दोनों ओर खाली भूमि की गहरी खुदाई और लेवलिंग भी की जाएगी, जिससे खेतों में पानी भरने की समस्या कम हो सके। इसके अलावा अमला रोड, कंकराज रोड, झगडात रास्ता, पानी की वाट और कालीपाल क्षेत्र में आवागमन सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त पाइप डाले जाएंगे। बाबा रामदेव मंदिर के सामने भी पाइप लाइन बिछाने पर सहमति बनी है। बैठक में यह भी तय किया गया कि जिन किसानों ने राजमार्ग और खेतों के बीच भराव किया है, वहां जल निकासी के लिए 1.2 मीटर के दो अतिरिक्त पाइप लगाए जाएंगे ताकि वर्षा का पानी आसानी से निकल सके। साथ ही एनएचएआई कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और राजमार्ग किनारे हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी।

हिंदू संगठनों ने एसपी कार्यालय घेरा, बोले- टीआई को हटाओ

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● हिंदू जागरण मंच सहित अन्य हिंदू संगठनों ने शनिवार को पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। सकल हिंदू समाज के बैनर तले सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एसपी कार्यालय में जुटे। जहां उन्होंने कोतवाली टीआई को हटाने की मांग को लेकर 3 घंटे तक नारेबाजी की। इस दौरान मुकेश तनवे, अशोक पालीवाल सहित कई नेता मौजूद थे। एसपी अगम जैन ने आश्वासन दिया कि, जिस मामले में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज हुई हैं। उस केस की जांच कराएंगे, टीआई की द्वेषपूर्ण भावना यदि है तो इस बिंदु पर भी जांच होगी। तीन दिन के भीतर जांच पूरी करा ली जाएगी। यदि टीआई दोषी पाए गए तो कार्रवाई होगी। इसके बाद मामला शांत हुआ और धरना खत्म किया गया। इधर, दोपहर 12 बजे हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता श्री गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम में एकत्रित हुए। वहां से रैली निकालकर एसपी कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन शुरू किया। संगठनों का आरोप है कि पुलिस 'लव जिहाद' रोकने वाले कार्यकर्ताओं पर पक्षपातपूर्ण तरीके से झूठे मुकदमे दर्ज कर रही है। दअसल, इस पूरे विवाद की जड़ कुछ दिन पहले हुई एक घटना है। विठ्ठल मंदिर क्षेत्र में एक युवती अपने मुस्लिम मित्र फैजान के साथ ऑटो में बैठी थी। आरोप है कि तभी कुछ लोगों ने नाम पूछकर फैजान के साथ मारपीट की थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने युवती की शिकायत पर हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय अधिकारी हर्ष बाथम, अक्षय मालवीय और दो अन्य के खिलाफ मारपीट व धमकाने का केस दर्ज किया था। हिंदू संगठनों का आरोप है कि पुलिस ने बिना किसी निष्पक्ष जांच के उनके पदाधिकारियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। पदाधिकारियों के मुताबिक, युवती ने स्वयं संगठन के लोगों से बातचीत के दौरान हर्ष बाथम को पहचानने से साफ इनकार किया था। इसके बावजूद तुष्टीकरण की नीति के तहत उन पर केस दर्ज कर दिया गया। इसी कथित हठधर्मिता के विरोध में आज समाज के लोगों से भारी संख्या में जुटने की अपील की गई है। आंदोलनकारी संगठनों की सबसे प्रमुख मांग कोतवाली टीआई प्रवीण आर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की है। अपनी इसी मांग को लेकर बुधवार को भी हिंदू संगठनों ने कोतवाली थाना परिसर के बाहर करीब डेढ़ घंटे तक धरना दिया था।कार्यकर्ताओं ने थाने के मुख्य गेट पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया था और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी।

चार साल में 4 कलेक्टर बदले, लेकिन नहीं बदला पुराना बोर्ड

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन● कलेक्टर कार्यालय को नए भव्य परिसर में स्थानांतरित हुए 4 साल का लंबा समय बीत चुका है। इन 4 वर्षों में जिले में 4 कलेक्टर भी बदल चुके हैं, लेकिन पुराने भवन का मुख्य बोर्ड अब तक नहीं बदला जा सका है। वर्तमान में इस पुराने परिसर में एसडीएम कार्यालय संचालित हो रहा है, इसके बावजूद मुख्य द्वार पर अब भी कलेक्टर कार्यालय की ही सूचना टंगी है। इस लापरवाही के कारण कलेक्ट्रेट और एसडीएम कार्यालय आने वाले ग्रामीण और नए लोग भ्रमित हो रहे हैं और उन्हें भटकना पड़ रहा है।

हनुवंतिया में ' जल-संकट' काल, न्यूनतम जलस्तर का असर...

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● इंदिरा सागर जलाशय का जलस्तर लगातार कम हो रहा है। बैक वाटर बहुत अधिक कम होने से पर्यटन स्थल हनुवंतिया का बोट क्लब बंद हो गया है। यहां क्लब पर ताला लगा दिया है। सामान्य दिनों में टापू की तरह दिखाई देने वाले इस पर्यटन स्थल के चारों ओर अब सूखी जमीन और टीले नजर आ रहे हैं। बोट जमीन पर रख दी गई है। पर्यटन स्थल बंद होने से इसके परिसर में सन्नाटा पसर गया है। इक्का-दुक्का पर्यटक यहां परिवार के साथ पहुंच रहे हैं। किसी तरह की गतिविधि नहीं होने से वे लौट रहे हैं। शनिवार को बांध का जलस्तर 248.73 मीटर रहा। इस बांध में समुद्र सतह से 262.13 मीटर तक पानी भरा जाता है। बांध का न्यूनतम जलस्तर 254.13 निर्धारित है। बांध में वर्तमान में न्यूनतम जलस्तर से 5.4 मीटर पानी कम है।

टैंकरों से पानी लाकर कुएं में डाल रहे किसान

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● बारिश की कमी के कारण व्यापारियों, आमजन और किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बादल छाने के बावजूद वर्षा न होने से क्षेत्र में सूखे जैसे हालात बन गए हैं, जिससे गर्मी और उमस से लोग बेहाल हैं। किसानों को अपनी फसलों के नुकसान की चिंता सता रही है। विकासखंड में किसानों ने कपास, मिर्च, मक्का और सोयाबीन की बुवाई की है, लेकिन बारिश न होने से उन्हें सिंचाई के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। कुओं का जलस्तर भी काफी नीचे गिर गया है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। ग्राम गुलाटी के किसान रात में मनावर से 5 किलोमीटर दूर से टैंकरों से पानी लाकर अपने कुओं में डाल रहे हैं। इस पानी का उपयोग वे मोटर चलाकर ड्रिप पद्धति से फसलों की सिंचाई करने में कर रहे हैं ताकि उन्हें बचाया जा सके। ग्राम पंचायत गुलाटी के उप सरपंच और किसान जितेंद्र बरफा ने बताया कि एक टैंकर पानी गांव तक लाने में 1200 रुपए का खर्च आता है।

देसी आम की अंतिम बिक्री, एक महीने से 40-50 रुपए किलो बिक रहे

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● कुक्षी क्षेत्र में पिछले एक माह से अलीराजपुर जिले के देशी आमों की बड़ी मात्रा में बिक्री हो रही है। हालांकि, यह आमों की आवक का अंतिम सप्ताह है। बारिश शुरू होने के बाद देशी आमों की बिक्री लगभग बंद हो जाएगी। वर्तमान में ये आम 40 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रहे हैं। शहर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को ये आम काफी पसंद आ रहे हैं। अलीराजपुर मंडी में कम दाम मिलने के कारण, वहां के आदिवासी विक्रेता भी अपने देशी आम कुक्षी मंडी में लाकर बेच रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर मूल्य मिल रहा है। विजय स्तंभ चौराहे पर प्रतिदिन सुबह

9 बजे से 50 से अधिक आम विक्रेता बड़ी टोकरियों में देशी आम बेचते देखे जा सकते हैं। विक्रेता ग्राहकों को आम चखाकर पसंद आने पर मोलभाव करते हैं। चूसने वाले देसी आम की कीमत 40 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम है। देशी आमों में भी कई प्रकार की किस्में उपलब्ध हैं, जो शौकीन ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। बादाम, तोतापरी, नीलम, लाल पट्टा और अन्य देशी आम की किस्में भी 50 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रही हैं। आम विक्रेता मगनसिंह और सायरी बाई नानपुर ने बताया कि यह देसी आम का आखिरी हफ्ते है। बारिश के बाद आमों की आवक बंद हो जाएगी और किसान अपने खेती के कार्यों में व्यस्त हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि एक टोकरी में लगभग 70-80 किलोग्राम आम बेचने के लिए उन्हें शाम तक बैठना पड़ता है।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम, रोहित-कोहली की वापसी

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के पास रहेगी। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम में वापसी हो गयी है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है जिसपर सभी हैरान हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अधिक रन नहीं बनाने के बाद भी रोहित की टीम में वापसी हुई है पर अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शतक के बाद भी यशस्वी को बाहर कर दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में कहा था कि टीम चयन अंतिम फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस व सर्वश्रेष्ठ संयोजन को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान रहे विराट कोहली को टीम में शामिल किया गया है पर वह फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मैदान पर उतरेंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी करीब तीन साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 विश्व कप फाइनल में खेला था। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है जबकि युवा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार को टीम में बनाये रखा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को बर्मिंघम, दूसरा 16 जुलाई को कार्डिफ और तीसरा 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

वैभव ने श्रीलंका-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकार्ड बनाया

दांबुला (एजेंसी) ● भारत ए की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज 2026 के फाइनल मुकाबले में केवल 11 गेंदों पर ही अर्धशतकीय पारी खेलकर लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया है। इस मैच में वैभव ने केवल 11 गेंदों में ही सबसे तेज अर्धशतक लगाकर दो दशक पुराना श्रीलंकाई क्रिकेटर कौशल्या वीरारत्ने का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। वीरारत्ने ने साल 2005-06 में 12 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया था। इस मैच में 15 साल के वैभव ने पहली ही गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। वैभव ने पहली गेंद पर ही चौका लगा दिया। इसके बाद तो मैदान पर जमकर चौके और छक्के लगे। वैभव ने पारी के पांचवे ओवर में ही छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया, ये कि लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है।अब लिस्ट-ए क्रिकेट के सबसे तेज अर्धशतक की सूची में वैभव सूर्यवंशी नंबर एक पर पहुंच गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने हैं। उन्होंने 12 गेंद में जबकि एनएलटीसी परेरा ने 13 गेंद में अर्धशतक लगाया था। वहीं रयान क्लेनवेल्ट के नाम 14 गेंद में अर्धशतक का रिकार्ड हैं। वैभव ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के अलाव घरेलू क्रिकेट में भी एक नई उपलब्धि हासिल की है।

कलर्स के सितारों ने फादर्स डे, वर्ल्ड म्यूज़िक डे और इंटरनेशनल योगा डे पर साझा किए अपने खास यादें और विचार

मुंबई (एजेंसी) ● 'दो दुनिया एक दिल' में बलदेव सिंह चौहान का किरदार निभा रहे सुधांशु पांडेय साझा करते हैं, 'मेरे लिए फादर्स डे कभी बड़े जश्न का दिन नहीं रहा। मेरी सबसे प्यारी यादें हमेशा साधारण पलों से जुड़ी हैं – निरवान और विवान के साथ वक्त बिताना, उनकी कहानियाँ सुनना, उन्हें अलग-अलग पड़ावों से गुजरते देखना या फिर डिनर टेबल पर हंसी-मज़ाक करना। एक पिता के तौर पर मैं हमेशा मानता हूँ कि बच्चों को यह याद रहता है कि आप उनकी ज़िंदगी में कितने मौजूद थे। आज जब मैं उन्हें जिम्मेदार नौजवान बनते देखता हूँ तो गर्व और आभार से भर जाता हूँ। यही भावनाएँ मैं हर अहम काम से पहले महसूस करता हूँ। और यही वजह है कि 'दो दुनिया एक दिल' में बलदेव का किरदार निभाना मेरे लिए इतना खास है। बलदेव ऐसा इंसान है जो अक्सर रिश्तों में ताकत, अहंकार और नियंत्रण को प्राथमिकता देता है, जबकि पिता होने ने मुझे सिखाया है कि सबसे मजबूत रिश्ते भरोसे, समझ और बिना शर्त प्यार से बनते हैं। हर बार जब मैं बलदेव का रूप धारण करता हूँ तो मुझे याद आता है कि असल ज़िंदगी में मैं किस तरह का पिता बनना चाहता हूँ। यही फर्क इस सफर को और भी मायनेदार बना देता है। सभी पिताओं को फादर्स डे की ढेर सारी शुभकामनाएँ। 'बरेली के बच्चन' में अजब सिंह का किरदार निभा रहे यशपाल शर्मा साझा करते हैं, 'पिता होने की एक बात मुझे हमेशा बेहद दिलचस्प लगी है कि समय के साथ आपकी भूमिका बदलती रहती है। जब बच्चे छोटे होते हैं तो उनका हाथ पकड़कर सड़क पार कराते हैं, और देखते ही देखते वे आपसे आगे चलने लगते हैं, अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, अपनी ज़िंदगी खुद बनाने लगते हैं और आपको दुनिया को नए नज़रिए से देखना सिखाते हैं। पिता होने का सबसे बड़ा सबक यही है कि कब सुरक्षा देनी है, कब मार्गदर्शन करना है और कब पीछे हट जाना है। फादर्स डे इस खूबसूरत सफर और उस जिम्मेदारी की याद दिलाता है जो बच्चों को निर्देशों से नहीं बल्कि मूल्यों के ज़रिए आकार देने से जुड़ी है। यही वजह है कि 'बरेली के बच्चन' में अजब सिंह का किरदार निभाना मेरे लिए इतना दिलचस्प है। वह उस पीढ़ी का हिस्सा है जो मानती है कि परिवार का मुखिया होने से ही सम्मान मिल जाता है, भले ही वह आसपास की अव्यवस्था की जिम्मेदारी न ले। कई मायनों में अजब पिता होने की पुरानी सोच को दर्शाता है, जबकि असल ज़िंदगी हमें बार-बार सिखाती है कि पिता की असली ताकत अधिकार में नहीं बल्कि बच्चों का भरोसा और स्नेह जीतने में है। फादर्स डे पर मेरी यही कामना है कि हर पिता अपने बच्चों को सफल और खुशहाल देख सके। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से जुड़े सुधेश लहरी साझा करते हैं, 'लोग मुझे अक्सर कॉमेडी के लिए जानते हैं, लेकिन जो लोग मेरे साथ समय बिताते हैं वे जानते हैं कि म्यूज़िक हमेशा मेरी ज़िंदगी के केंद्र में रहा है। 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर मैं खुद को हर वक्त गुनगुनाते हुए पाता हूँ – कभी कोई क्लासिक गीत, कभी कोई लोकधुन और कभी उस पल की प्रेरणा से निकला सुर। म्यूज़िक हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा ऐसे बन जाता है कि हमें एहसास भी नहीं होता। यह हमारे जश्नों में साथ देता है, मुश्किल समय में ताकत देता है और अक्सर वह कह देता है जो हम कह नहीं पाते। मेरे लिए कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब मैं म्यूज़िक सुनने की खुशी और उसे बनाने में लगने वाली अद्भुत कला, अनुशासन और भावनाओं को महसूस न करूँ। वर्ल्ड म्यूज़िक डे पर मैं उन सभी महान कलाकारों, म्यूज़िककारों, गीतकारों, कंपोज़र्स और गायकों को नमन करता हूँ जिन्होंने हमें ऐसी धुनें दीं जो पीढ़ियों तक ज़िंदा रहती हैं।' 'बरेली के बच्चन' में कृष्णा का किरदार निभा रहे प्रविष्ट मिश्रा साझा करते हैं, 'म्यूज़िक हमेशा मेरा स्थायी साथी रहा है, चाहे मैं ज़िंदगी के किसी भी दौर में रहा हूँ। अगर कमरे में गिटार रखा हो तो मैं ज़रूर उठा लूँगा, और अगर कोई गाना बज रहा हो तो मैं गुनगुनाने लगूँगा, चाहे किसी ने कहा हो या नहीं! मुझे सबसे अच्छा यही लगता है कि म्यूज़िक लोगों को अप्रत्याशित तरीकों से जोड़ देता है। जब 'बरेली के बच्चन' लॉन्च हुआ था, हर किरदार अपनी धुन के साथ मंच पर आया और पूरा इवेंट एक जाम सेशन जैसा लग रहा था। इसने हमारी टीम की असली भावना को बखूबी दिखाया। हम सबने गाया, हंसी-मज़ाक किया और तुरंत जुड़ गए। मेरे लिए यही म्यूज़िक का जादू है – यह दूरी मिटाता है, यादें बनाता है और साधारण पलों को अविस्मरणीय बना देता है। वर्ल्ड म्यूज़िक डे पर मैं हर उस गीत के लिए आभारी हूँ जो याद बना, हर देर रात की गिटार सेशन के लिए और हर उस इंसान के लिए जिसने म्यूज़िक के ज़रिए मुझसे जुड़ाव महसूस किया। ' 'डॉ. आरंभि' में आरंभि का किरदार निभा रही ऐश्वर्या खरे साझा करती हैं, 'कुछ चीज़ें तुरंत आपको संतुलित महसूस कराती हैं और मेरे लिए योग उनमें से एक है। चाहे कुछ मिनटों की साँसों पर ध्यान हो या स्ट्रेचिंग और रिलैक्स करना, यह हमेशा मुझे शांत और केंद्रित कर देता है।

जर्मनी फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में, आइवरी कोस्ट 2-1 से हराया

टोरंटो (एजेंसी) ● फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-ई के मैच में चार बार की चैंपियन जर्मनी ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर नॉकआउट में जगह पक्की कर ली। टोरंटो में खेले गए इस मुकाबले में जर्मनी एक समय 0-1 से पीछे था, लेकिन सब्स्टीट्यूट डेनिज उंदाव ने दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को शानदार जीत दिलाई। उन्होंने 68वें मिनट में बराबरी का गोल किया और फिर इंजरी टाइम (94वें मिनट) में विजयी गोल दागा। दिन के दूसरे मुकाबले में कुरासाओ और इक्वाडोर के बीच मैच 0-0 से ड्रॉ रहा। इस परिणाम के साथ कुरासाओ ने फीफा वर्ल्ड कप इतिहास का अपना पहला अंक हासिल किया। टीम के गोलकीपर एलॉय रूम जीत के नायक रहे, जिन्होंने पूरे मैच में 15 शानदार सेव कर इक्वाडोर को गोल करने से रोके रखा। उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत कुरासाओ ने मजबूत दक्षिण अमरीकी टीम को ड्रॉ पर रोक दिया। इस ड्रॉ के साथ ही कुरासाओ की टीम की अगले दौर (लास्ट 32) में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा हैं, जबकि इक्वाडोर की टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है।

उज्जैन संभाग

टायर फटा...कार डिवाइडर से टकराई, कारोबारी की मौत, महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●उज्जैन-देवास मार्ग पर अगला टायर फटने के बाद कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में महाकाल दर्शन कर इंदौर लौट रहे बेंगलुरु के सीड कारोबारी की मौत हो गई। घटना नागझिरी थाना क्षेत्र के गरुड़ बायपास ब्रिज के पास हुई। डीलर और ड्राइवर की हालत गंभीर हैं। उनका इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान इटरना कंपनी के मालिक मणि कांत कुट्टी (35) के रूप में हुई है। वे मूल रूप से विशाखापट्टनम के रहने वाले थे। बेंगलुरु से सीड का कारोबार कर रहे थे। हाल ही में वे दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। इंदौर निवासी डीलर ओम धाकड़ के साथ वे महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद सभी स्कोडा कार से इंदौर के लिए रवाना हुए। कंपनी का अकाउंटेंट बालकृष्ण कार चला रहा था। देवास बायपास क्षेत्र में अचानक कार का अगला बायां टायर फट गया। इससे कार का संतुलन बिगड़ गया। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को कार से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां सीड कारोबारी की मौत हो गई। कार चला रहे बालकृष्ण ने बताया कि टायर फटने के बाद कार पूरी तरह अनियंत्रित हो गई थी और हादसे को टाला नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि कंपनी के मालिक मणि कांत कुट्टी बाबा महाकाल के प्रति गहरी आस्था रखते थे। वे कई वर्षों से नियमित रूप से उज्जैन दर्शन के लिए आते थे। कुट्टी के पास आईफोन था, जिसमें एसओएस सुविधा ऑन थी। जैसे ही एक्सीडेंट हुआ, कुट्टी के भाई को एसएमएस पहुंच गया। वे रात को ही विशाखापट्टनम से रवाना होकर उज्जैन पहुंच गए। एसओएस से इंदौर के डीलर के परिवार को भी एक्सीडेंट की सूचना मिल गई। सूचना मिलते ही परिजन रात में अस्पताल पहुंच गए।

सिंहस्थ में पुलिस की तैयारी, देशभर के अपराधियों की कुंडली अपलोड

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●उसिंहस्थ में 30 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। 13 अखाड़े, उनसे जुड़े महामंडलेश्वर, संत, महंत, वीआईपी सहित आम लोगों का मूवमेंट 24 घंटे सातों दिन एक जैसा रह सकता है। ऐसे में किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से आने वाले संदिग्धों की पहचान के लिए पुलिस ने पहली बार एआई की मदद से तैयारी है। मेला क्षेत्र में कुल 52 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इनकी मदद के लिए 3500 सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। 40 ड्रोन, 35 अंडर वॉटर कैमरों की मदद भी ली जाएगी। सिमी, पीएफआई समेत देशभर के 3 हजार दुर्दांत अपराधियों के फोटो, डिटेल अपलोड कर लिए गए हैं। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा के अनुसार जल्द ही सुरक्षा को लेकर 13 अखाड़ों की बैठक रखी जाएगी।

विश्व संगीत दिवस पर गोल्डन वर्ल्ड रिकॉर्ड की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव ● विश्व संगीत दिवस के अवसर पर 48 घंटे का एक अनूठा संगीत आयोजन शुरू हुआ है। स्वरांजलि ग्रुप द्वारा आयोजित 'गाता रहे मेरा दिल' कार्यक्रम के तहत लगातार सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। यह आयोजन गोल्डन वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने का एक आधिकारिक प्रयास है। यह कार्यक्रम नगर की अग्रवाल धर्मशाला में रविवार दोपहर 12 बजे शुरू हुआ, जो 23 जून को दोपहर 12 बजे तक निरंतर चलेगा। इसका शुभारंभ पूर्व न्यायाधीश राजेश दुबे और संत सिंगाजी कॉलेज के प्राचार्य प्रशांत शर्मा ने किया। उद्घाटन सत्र में स्वरांजलि ग्रुप और क्षेत्र के अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। आयोजकों के अनुसार, इस 48 घंटे के संगीत आयोजन में 100 से अधिक कलाकार विभिन्न चरणों में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। नगर में पहली बार इतने बड़े स्तर पर हो रहे इस कार्यक्रम को लेकर कलाकारों और संगीत प्रेमियों में विशेष उत्साह है। बड़ी संख्या में नागरिक भी इस आयोजन से जुड़कर कलाकारों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र चौधरी ने स्वरांजलि ग्रुप के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह समूह लंबे समय से संगीत और कला के संवर्धन के लिए काम कर रहा है। संस्था स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ उन्हें पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। चौधरी ने कलाकारों की बड़ी संख्या में सहभागिता को संस्था की वर्षों की मेहनत, समर्पण और विश्वास का परिणाम बताया। इस आयोजन को संगीत साधना, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इसकी सफलता से खातेगांव को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

बारिश के बाद खुदाई से सड़क संपर्क टूटा, लोग गड्ढों में गिरे ; जलभराव से परेशानी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●बारिश ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। बारिश के बाद जलभराव, सड़कों का क्षतिग्रस्त होना और बिजली के खंभे में करंट फैलने जैसी कई समस्याएं सामने आईं, जिससे आठ बकरों की मौत हो गई। देवास रोड स्थित कावेरी रीजेंसी कॉलोनी में सीवरेज लाइन के लिए की जा रही खुदाई बारिश के दौरान बड़ी परेशानी का सबब बनी। कॉलोनीवासियों के अनुसार, सीवरेज कंपनी के कर्मचारी पिछले तीन दिनों से लापरवाही से खुदाई कर रहे थे। नियमों के विपरीत, बिना किसी वैकल्पिक मार्ग के मुख्य सड़क को खोद दिया गया था। बारिश के बाद सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे कावेरी रीजेंसी और आसपास की तीन गलियों के लगभग 50 से अधिक परिवारों का संपर्क टूट गया। स्थानीय लोगों ने कंपनी के सुपरवाइजर को लगातार शिकायतें की थीं, लेकिन उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। तेलीवाड़ा चौराहे पर भी खुदाई का कार्य लोगों के लिए खतरा बन गया। रहवासी अंशुल कारपेंटर ने बताया कि उचित बैरिकेडिंग न होने के कारण कई राहगीर और वाहन चालक गड्ढों में गिर गए, जबकि कुछ ऑटो भी फंस गए। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो गई। बाद में अधिकारियों द्वारा बैरिकेडिंग लगाई गई, लेकिन तब तक कई लोग दुर्घटना का शिकार हो चुके थे। दूसरी ओर, जूना सोमवारिया क्षेत्र के वार्ड

13 में मस्जिद के पास एक घटना हुई। बारिश के बाद बिजली के खंभे में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से आठ बकरों की मौत हो गई।घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लगे डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स) को हटाने और विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए पहले भी कई बार अधिकारियों को शिकायतें दी गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद क्षेत्रीय पार्षद और अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे।

खादी उद्योग को मिलेगी नई रफ्तार, जल्द स्थापित होगा पोनी प्लांट और .प्रोसेस यूनिट

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● खादी उद्योग को नई गति मिलने वाली है। मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी ने घोषणा की है कि जिले में जल्द ही पोनी प्लांट और प्रोसेस यूनिट स्थापित की जाएगी। यह घोषणा उन्होंने बालगढ़ स्थित खादी उत्पादन केंद्र के निरीक्षण के दौरान की। इस पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और खादी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। मप्र शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी ने बालगढ़ स्थित खादी उत्पादन केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वहां संचालित गतिविधियों का जायजा लिया और केंद्र में कार्यरत कत्तिनों तथा बुनकरों से बातचीत की।

ब्रिज पर बढ़े ट्रैफिक दबाव के बीच प्रशासन अलर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ●निर्माणाधीन रसूलपुर ब्रिज पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन सक्रिय हो गया है। शनिवार को एसडीएम, सीएसपी, यातायात पुलिस, औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस, एनएचएआई और निर्माण एजेंसी के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से ब्रिज क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात संचालन और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य से बढ़ रहे यातायात दबाव, वैकल्पिक मार्गों की स्थिति, संकेतक बोर्डों की व्यवस्था और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसमें निर्माण अवधि के दौरान यातायात को सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशासन ने वाहन ड्राइवरों से अपील की कि वे निर्माणाधीन क्षेत्र से गुजरते समय गति नियंत्रित रखें, अनावश्यक ओवरटेकिंग से बचें और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें। किसी भी यातायात बाधा या जाम की स्थिति में तत्काल डायल-112 या कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7049125083 पर सूचना देने का आग्रह किया गया। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य पूरा होने तक पुलिस और प्रशासन द्वारा क्षेत्र की लगातार निगरानी की जाएगी। इसका उद्देश्य आमजन को होने वाली परेशानी को कम करना और यातायात को सुरक्षित बनाए रखना है।

लगातार हमले के बाद पटवारी ने दी सीएम को चुनौती...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार सीएम डॉ. मोहन यादव के निशाने पर हैं। अब पटवारी ने इस पर सीएम डॉ. यादव को चुनौती दे डाली। जिसका जवाब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को इंदौर में दिया।

सीएम मोहन यादव बीते कुछ दिनों से लगातार कांग्रेस और प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर हमलावर रहे हैं। शुक्रवार को सीएम ने इंदौर में कहा था कि जीतू पटवारी की मधु भैय्या (राउ विधायक) ने चौकड़ी भुला दी, जवान को होश ही नहीं आया। भेरूजी याद आ गए। राउ में चारो खाने चित्त कर दिया था मधु भैय्या ने।

पटवारी ने क्या दी चुनौती-इस पर पटवारी ने मीडिया में बयान देते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री को चुनौती दी है। अब आप 2028 में उसी सीट से चुनाव लड़ना। उन्होंने मुझसे कहा कि इतने वोट से हार गए हो इस लायक नहीं। बिल्कुल सही मैं हारा, मैं स्वीकार करता हूं, जो जीता वही सिकंदर। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वह उसी सीट से फिर चुनाव लड़ें जहां से आज विधायक है, इतना आग्रह है उनसे उज्जैन से लड़ें।

मंत्री विजयवर्गीय ने यह दिया जवाब-इस पर शनिवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जवाब दिया कि- पहले जीतू भाई जहां आप रहते हो वहां से ही जीतकर बताओ। अभी तो सिर्फ 30 हजार से ही हारे हो। बाद में अगली बार पता नहीं कितने वोट से हारोगे। या मैदान छोड़कर भाग जाओगे। मुझे तो पता लगा है कि जीतू भाई अभी दूसरी सीट ढूंढ रहे हैं।

सीएम पटवारी को यह बोल चुके-इसके पहले सीएम पटवारी को टपोरी, दो कौड़ी का रद्दी प्रदेशाध्यक्ष बोल चुके हैं। हाल ही में महिदपुर में नौसिखिया भी कहा कि ऐसे को पार्टी की कमान दे दी है, जो खुद ही अपनी गाड़ी ठोक देते हैं। सीएम ने शनिवार को सांवेर में एक कार्यक्रम में कांग्रेस को कचरा बताते हुए कहा कि इस पर झाड़ू लग गई है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विभाग को सब इंजीनियर से चुनौती, ट्रांसफर ही नहीं कर पा रहे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नगरीय प्रशासन विभाग को सब इंजीनियर खुलकर चुनौती दे रहे हैं। मामला एक साल से चल रहा है। विभाग सब इंजीनियर को ट्रांसफर करना चाहता है लेकिन यह लगातार स्टे लेकर आ रहे हैं।

मध्यप्रदेश नगरीय प्रशासन विभाग इंदौर के सब इंजीनियरों की एक साल से ट्रांसफर की कोशिश में जुटा है, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है। इस दौरान ट्रांसफर करने, संशोधन करने, रिलीव करने, ट्रांसफर रद्द करने जैसे आधा दर्जन आदेश हो चुके हैं। यह विभाग इंदौर के ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के अधीन आता है।

साल 2025 से चल रही जद्दोजहद-यह जद्दोजहद विभाग में साल 2025 से चल रही है। जब कई शिकायतों के बाद कई सब इंजीनियरों का तबादला किया गया था। फिर कुछ सब इंजीनियर के ट्रांसफर आदेश में बदलाव भी हुए थे। इसके बाद इन्हें आनन-फानन में रिलीव भी किया गया था। वहीं, एक-एक कर सब स्टे ले आए।

इसके बाद विभाग ने आखिरकार लंबे स्टे के चलते मई 2026 में जाकर इस पुराने ट्रांसफर आदेश को रद्द किया। फिर 15 जून 2026 को नए ट्रांसफर आदेश किए थे। वहीं, इस दौरान निगमायुक्त क्षितिज सिंघल चूक कर गए और रिलीव ही नहीं किया। इसी बीच यह सब इंजीनियर फिर स्टे ले आए। मिश्रा को 18 जून 2025 की रात को निगमायुक्त शिवम वर्मा ने रिलीव किया, लेकिन मिश्रा हाईकोर्ट गए और स्टे ले आए थे। इसके बाद स्टे ही चलता रहा। इसे हटवाने की भी कोशिश शासन और निगम ने नहीं की। आखिरकार 27 मई 2026 को मिश्रा का खंडवा हुआ ट्रांसफर रद्द किया गया था। इसके बाद 15 जून 2026 को नया ट्रांसफर आदेश हुआ और उनका रतलाम ट्रांसफर किया गया। आदेश में लिखा गया कि वह जून 2016 से इंदौर में पदस्थ हैं। साथ ही, प्रशासकीय कार्य-सुविधा से उनकी योग्यता, कौशल की जरूरत रतलाम में है। इसलिए दो साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर रतलाम नगर निगम भेजा जाता है। मिश्रा को निगमायुक्त ने रिलीव नहीं किया और वह 18 जून को हाईकोर्ट से स्टे ले आए। मिश्रा ने ट्रांसफर आदेश को लेकर हाईकोर्ट में कहा कि उनका आदेश दुर्भावना के कारण और बदला लेने की मंशा से किया जा रहा है। इसके पहले भी बीते साल कई आदेश हुए और हाईकोर्ट ने स्टे दिया था। इस बार फिर वही किया गया है। जबकि निगम में सब इंजीनियर का ट्रांसफर या प्रतिनियुक्ति नहीं हो सकती है। वहीं इंदौर नगर निगम में पहले ही 24 सब इंजीनियर की कमी है। साथ ही मेरी जगह किसी अन्य का ट्रांसफर भी इंदौर निगम में नहीं किया गया है।

इंदौर भारत का एकमात्र शहर, जिसके पास चार सालों से 7 स्टार सर्टिफिकेशन

एयरपोर्ट के पास सीएसआर फंड से नगर निगम बनाएगा 7 स्टार अवार्ड स्मारक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर भारत का एकमात्र शहर है, जिसके पास वर्ष 2022 से 7 स्टार शहर होने का सर्टिफिकेशन हासिल है। स्वच्छता के इस गौरव को आने वाली पीढ़ियों को बताने और याद रखने के लिए इंदौर नगर निगम एयरपोर्ट के पास 7 स्टार स्मारक बनाने जा रहा है, जिसकी स्वीकृति महापौर परिषद ने हाल ही में हुई एमआईसी बैठक के दौरान दी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि पहली बार इंदौर को 7 स्टार का अवार्ड वर्ष 2022 में मिला था। यह सम्मान स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ वॉटर प्लस मापदंड को पूरा करने पर स्वच्छ भारत मिशन की ओर से दिया जाता है। इसकी निगरानी केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा की जाती है। इंदौर यह मुकाम हासिल करने वाला भारत का पहला शहर है, जिसने सबसे पहले 7 स्टार शहर होने का रिकॉर्ड बनाया था।

इंदौर की पहचान कायम रखने का प्रयास

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इंदौर में आने वाले अतिथियों और यहां के नागरिकों में इंदौर के स्वच्छता गौरव के तहत मिले सम्मान को याद रखने के लिए प्रतीक चिन्ह बनाया जा रहा है। इसके साथ इंदौर की पहचान स्वच्छता है, इसलिए देश-विदेश से इंदौर आने वालों को पहली झलक में यह दिखाई दे, इसके लिए यहां 7 स्टार स्मारक बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके निर्माण में कबाड़ से निकली सामग्री का उपयोग किया जाएगा।

दो वर्षों के लिए होता है-इंदौर के बाद बीते चार वर्षों में देश के 12 अन्य शहर 7 स्टार प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुके हैं, लेकिन इंदौर वर्ष 2022 से 2026 तक वॉटर प्लस शहर बना हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन के अनुसार यह 7 स्टार प्रमाणीकरण स्थायी नहीं होता, इसके लिए प्रत्येक दो वर्षों के अंतराल से सर्वे किया जाता है। इंदौर में यह सर्वे अब तक दो बार हुआ, जिसमें इंदौर को 7 स्टार प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। इंदौर के पास वर्तमान में अगस्त 2026 तक इस प्रमाणीकरण की वैधता है।

एमवायएच : निजी केंद्रों पर मरीजों को 700 से 1000 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे, जिम्मेदार बेफिक्र

नई ओपीडी में एक्स-रे सेवा बंद, मरीजों को लगानी पड़ रही दौड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल महाराज यशवंत राव अस्पताल (एमवायएच) में पिछले पांच माह से डिजिटल एक्स-रे सेवा बंद होने से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 250 मरीज एक्स-रे जांच के लिए पहुंचते हैं, लेकिन नई ओपीडी भवन में मशीन बंद होने के कारण उन्हें पुरानी बिल्डिंग तक चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। नई ओपीडी के कक्ष क्रमांक-5 में स्थापित डिजिटल एक्स-रे मशीन वर्ष 2012 से संचालित हो रही थी। मशीन का सॉफ्टवेयर और तकनीकी सिस्टम खराब होने के बाद संचालन बंद कर दिया गया।

मशीन उपलब्ध कराने वाली कंपनी ने इसे अनुपयोगी बता दिया है।

मरीज हो रहे परेशान-अस्पताल में प्रतिदिन 200 से 250 से अधिक एक्स-रे किए जाते थे। केवल चेस्ट एक्स-रे के ही 126 रुपए लगते है। इसके बाद हर एक्सरे पर 53 रुपए बढ़ जाते है। डिजिटल सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को जांच के लिए एक भवन से दूसरे भवन तक जाना पड़ रहा है, जिससे बुजुर्ग, दिव्यांग और गंभीर मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। निजी केंद्रों पर एक्स-रे कराने पर मरीजों को 700 से 1000 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

इंदौर मेट्रो का कमर्शियल रन एक बार फिर टला

24 जून को खत्म होगी सीएमआरएस मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक इंदौर मेट्रो के कमर्शियल संचालन का इंतजार फिलहाल खत्म होता नजर नहीं आ रहा। 18 जून को प्रस्तावित शुभारंभ टलने के बाद अब 24 जून को सीएमआरएस की मंजूरी की वैधता भी समाप्त होने जा रही है।

ऐसे में मेट्रो प्रबंधन को दोबारा निरीक्षण और अनुमति की प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है, जिससे यात्री सेवा शुरू होने में और देरी तय मानी जा रही है। 5.9 किलोमीटर लंबे सुपर कॉरिडोर-रेडिसन सेक्शन पर यात्री सेवा शुरू करने के लिए मेट्रो प्रबंधन कई महीनों से तैयारी कर रहा है, लेकिन अब तक संचालन शुरू नहीं हो सका है।

मार्च 2026 में मिली सीएमआरएस मंजूरी की तीन माह की अवधि 24 जून को समाप्त हो रही है। निर्धारित समय में कमर्शियल रन शुरू नहीं होने पर नई अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सूत्रों के मुताबिक मेट्रो प्रबंधन ने दोबारा निरीक्षण के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। नई मंजूरी मिलने में करीब एक माह लग सकता है।

ई-रक्षक ऐप से खुला राजस्थान के बुलेट चोर गिरोह का राज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में लगातार हो रही महंगी बुलेट मोटरसाइकिलों की चोरी के मामलों में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। तुकोगंज थाना पुलिस ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे और निशानदेही पर करीब 40 लाख रुपए से अधिक कीमत की 14 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी के पास से मास्टर चाबियों का गुच्छा, जाली नंबर प्लेट, हेलमेट और अन्य सामान भी जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार 19 जून की रात तुकोगंज थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड के सामने एक व्यक्ति बुलेट मोटरसाइकिल पर संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे

पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम कन्हैयालाल लाहौर (40) निवासी भवानीमंडी, झालावाड़ (राजस्थान) बताया।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर शहर में बेखौफ घूम रहा था बदमाश, उज्जैन से भी चुराई थी बाइक जांच के दौरान आरोपी की बुलेट हंटर 350 पर लगी नंबर प्लेट संदिग्ध मिली। पुलिस के ई-रक्षक ऐप से वाहन के इंजन और चेसिस नंबर की जांच की गई तो पता चला कि बाइक पर लगी नंबर प्लेट फर्जी थी और वाहन तुकोगंज थाना क्षेत्र से चोरी हुआ था। इसके बाद आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें उसने 31 मई को 56 दुकान क्षेत्र से बुलेट चोरी करना स्वीकार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने इंदौर के हीरानगर, विजयनगर, एमजी रोड, संयोगितागंज, खजराना, एरोड्रम और तुकोगंज थाना क्षेत्रों के अलावा उज्जैन में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से 12 बुलेट और एक हीरो एचएफ डीलक्स सहित कुल 14 चोरी के वाहन बरामद किए।

भेरूघाट पर चलती कार में लगी आग

महेश्वर से घर जा रहा था परिवार पुलिस और एफआरवी टीम ने की मदद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में रविवार रात आगजनी की दो अलग-अलग घटनाओं हुई। एक ओर भेरूघाट पर चलती कार में आग लग गई, वहीं शहर के झंडा चौक क्षेत्र में दो दुकानों में भी आग भड़क उठी। दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि संपत्ति को नुकसान पहुंचा है।

भेरूघाट स्थित भगवती ढाबे के पास रविवार रात कार में अचानक आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार कार की बैटरी से धुआं निकलने के बाद आग भड़क गई और कुछ ही देर में वाहन आग की चपेट में आ गया। सूचना मिलने पर मानपुर और सिमरोल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया गया है कि उज्जैन निवासी एक परिवार महेश्वर घूमकर लौट रहा था। हादसे के समय कार में छह वयस्क और दो बच्चे सवार थे। सभी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलते ही एफआरवी के जवान और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

कैमरा बंद मिला तो देना होगा जुर्माना, गंदगी फैलानों पर भी रहेगी नजर

अब पूरे इंदौर की होगी डिजिटल निगरानी, हर गली और मोहल्ले में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश का सबसे स्वच्छ शहर अब सुरक्षा के क्षेत्र में भी नई मिसाल कायम करने की तैयारी में है। नगर निगम की महत्वाकांक्षी सीसीटीवी सर्विलांस योजना तीन साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद अब धरातल पर उतरने जा रही है। योजना के तहत पूरे शहर में हजारों सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क बिछाया जाएगा, जिसकी निगरानी एक अत्याधुनिक सेंट्रलाइज्ड कमांड सेंटर से होगी। खास बात यह है कि कैमरे लगवाने के बाद उन्हें चालू रखना भी अनिवार्य होगा। यदि कोई कैमरा जानबूझकर बंद रखा गया या

अनुपयोगी पाया गया तो संबंधित व्यक्ति या संस्था पर जुर्माना लगाया जाएगा।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव की पहल पर तैयार इस योजना का उद्देश्य केवल अपराधों पर अंकुश लगाना नहीं, बल्कि इंदौर को तकनीक आधारित सुरक्षित शहर के रूप में विकसित करना भी है। नगर निगम के आईटी विभाग ने पूरे शहर में कैमरे लगाने के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। जुलाई में टेंडर खुलने के बाद चयनित एजेंसी कैमरों की डिजाइन, स्थापना, संचालन और रखरखाव का कार्य संभालेगी। योजना के अनुसार शहर के उन क्षेत्रों में, जहां आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग निवास करता है और स्वयं कैमरे लगाना संभव नहीं है, वहां नगर निगम अपने खर्च पर सीसीटीवी कैमरे लगाएगा। ऐसे 12 हजार से अधिक स्थानों की पहचान की गई है। अन्य क्षेत्रों में नागरिकों और संस्थाओं के सहयोग से कैमरों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इस पूरी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा सेंट्रलाइज्ड कमांड सेंटर होगा। यहां शहरभर में लगे कैमरों की लाइव फीड एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेगी।

कोचिंग, होटल और रेस्टोरेंट पर गिरी गाज

29 संस्थानों ने शुरू किए सुरक्षा सुधार फायर सेफ्टी में लापरवाही पर निगम का बड़ा प्रहार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बढ़ती आगजनी की घटनाओं और संभावित अग्नि दुर्घटनाओं को देखते हुए नगर निगम ने फायर सेफ्टी को लेकर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी। निगम की सख्ती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले 102 भवनों पर सील की कार्रवाई की जा चुकी है, जबकि निगम के दबाव के बाद 29 भवनों और संस्थानों में फायर सेफ्टी संबंधी सुधार कार्य शुरू हो गए हैं। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर फायर विभाग और भवन अनुज्ञा शाखा की संयुक्त टीम शहरभर में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, होटलों और बहुमंजिला भवनों का निरीक्षण कर रही है। जांच में कई जगह फायर अलार्म सिस्टम बंद मिले, अग्निशमन यंत्र निष्क्रिय पाए गए और आपातकालीन निकास मार्ग तक मानकों के अनुरूप नहीं मिले। ऐसे मामलों में निगम ने सीधे सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी। जोन क्रमांक 10 में कार्रवाई करते हुए एसके जिम, नफीस रेस्टोरेंट, रोबोटवाला कोचिंग, एआई एंड रोबोटिक्स कोचिंग, ज्ञानम कोचिंग, अपोलो आर्केड और अपोलो एवेन्यू को सील कर दिया गया।

निगम की सख्ती का दिखने लगा असर - लगातार हो रही सीलिंग कार्रवाई के बाद शहर के कई संस्थान हरकत में आ गए हैं। अब तक 29 भवनों में फायर सेफ्टी सिस्टम स्थापित करने या उन्हें चालू कराने का काम शुरू हो चुका है। इनमें क्लाउड्स होटल एंड रिसोर्ट, कान्हा होटल एंड रिसोर्ट, बीजी ग्रीन होटल, होटल मोक्षिता, होटल त्रिवाना, जेएमसी ग्रैंड, सुकून सिग्नेचर, होटल रिबोला, होटल कोणार्क इन, विमल इंस्टीट्यूट, आकाश इंस्टीट्यूट, गीतांजलि हॉस्पिटल, सी-3 हॉस्पिटल, बंसीवाला रेस्टोरेंट, गुरुकृपा होटल, आनंद कैफे और बापू की कुटिया जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।